अभ्युदय

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

BHAVDIYA GROUP OF INSTITUTIONS

(ISO 9001:2008 Certified Institution)

वर्ष : 05 अंक : 03 सत्र : 2016-17

प्रबन्ध एवं प्रशासनिक मण्डल

एम. एल. वर्मा
प्रबन्ध निदेशक

इं. पी. एन. वर्मा
अध्यक्ष

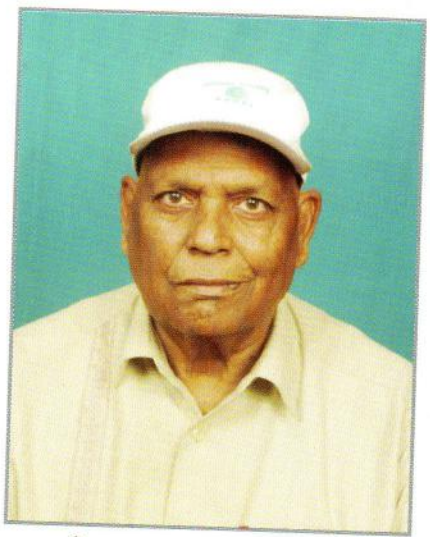

प्रो. मंशाराम वर्मा
महानिदेशक

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव

अभ्युदय

अंक : 3 वर्ष : 5 सत्र : 2016–2017

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक : डॉ. प्रेमनारायण द्विवेदी, प्राचार्य–भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट

सम्पादक : डॉ. संजय कुशवाहा, प्राचार्य–फार्मेसी

डॉ. शिशिर पाण्डेय, उपाचार्य, एम.बी.ए.

डॉ. दयाशंकर वर्मा, उपाचार्य, बी.टी.सी.

छात्र सम्पादक

अतुल पाण्डेय : एम.बी.ए. (IV सेमेस्टर)

अंकित वर्मा : बी.टी.सी. (III सेमेस्टर)

अभिषेक सिंह : डी.फार्म. (II वर्ष)

विशेष सहयोग

श्री अतुल श्रीवास्तव

प्रकाशक : भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार, सोहावल–फैजाबाद

मुद्रक : रघुवंशी प्रिन्टर्स एण्ड बाइन्डर्स, इण्डस्ट्रियल एरिया

गद्दोपुर–फैजाबाद ☎: 05278-222194

भवदीय ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार-सोहावल

संस्थान-गीत

जहाँ पर जगता है आलोक, जहाँ मिटता अँधियारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥

अवध का दिव्य क्षेत्र सीवार–सोहावल–ग्रामांचल अभिराम,
जहाँ के उत्तर पथ के छोर बहे सरयू–धारा अविराम,
हरित वन–उपवन–निर्मल नीर अलौकिक कूल–किनारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥1॥

यशस्वी 'वर्मा मिश्रीलाल' बने संस्थापक अथक उदार,
पिताश्री 'हेमराज' का स्नेह, 'रमाऊ देवी' माँ का प्यार,
उसी से निर्मित यह संस्थान नित्य नूतन उजियारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 2॥

जहाँ संचालित हैं सब भाँति नयी शिक्षा के विविध प्रकल्प,
चिकित्सा–शिक्षण–कम्प्यूटर–प्रबन्ध के बने श्रेय–संकल्प,
लोक ने देकर शुभ सहयोग हमारा लक्ष्य सँवारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 3॥

प्रगति का अमर साधना–धाम चेतना का पावन उल्लास,
युवा पीढ़ी का जो दिन–रात बढ़ाये मंगलमय विश्वास,
'हमारा हाथ–आपका साथ' बना चिर–चिन्तन न्यारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 4॥

[इस संस्थान–गीत की रचना इन्स्टीट्यूट के प्रबन्ध–तंत्र के सचिव डॉ. अवधेशकुमार वर्मा, संस्थान के चेयरमैन श्री पी. एन. वर्मा तथा महानिदेशक श्री मंशाराम वर्मा की प्रेरणा से कवि डॉ. जनार्दन उपाध्याय, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, साकेत महाविद्यालय, अयोध्या के द्वारा महाशिवरात्रि 07 मार्च, 2016 ई. को की गयी।]

संदेश

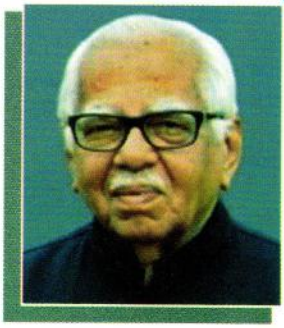

राम नाईक
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

दिनांक 10.03.2017

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार, फैजाबाद द्वारा अपने वार्षिक समारोह के अवसर पर पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन किया जा रहा है।

शिक्षण संस्थाओं में शिक्षा ग्रहण करते हुए विद्यार्थियों का चारित्रिक एवं मानसिक विकास भी होता है। विद्यालय की वार्षिक पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक लेखन क्षमता में वृद्धि का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है।

पत्रिका 'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन हेतु मैं हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(राम नाईक)

संदेश

विवेक
आई.ए.एस

जिलाधिकारी, फैजाबाद
कार्यालय : 05278 - 224286, 224204
आवास : 05278 - 222221, 224205
फैक्स : 05278 - 222214

दिनांक : 16 मार्च, 2017

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि जनपद के ग्रामीण अंचल में विविध आयामों में ज्ञान का प्रकाश फैलाने के उद्देश्य से अग्रसर 'भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स', सीवार, निकट लोहिया पुल, फैजाबाद गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी अपनी वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन करने जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में ऐसी पाठ्य-सामग्री का समावेश किया जायेगा, जो छात्र/छात्राओं के लिए उपयोगी होने के साथ ही साथ उनके सर्वांगीण विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

'भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स' द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका 'अभ्युदय' की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

भवदीय,

(विवेक)

सेवा में,
पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

संदेश

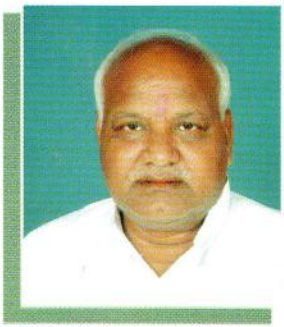

लल्लू सिंह
सांसद (लोकसभा)
फैजाबाद (उ0प्र0)

सदस्य :
- स्थायी समिति - जल संसाधन
- सलाहकार समिति - खाद्य प्रसंस्करण समिति

सत्यमेव जयते

23, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली - 110001
फोन/फैक्स : 011-23782845

128-क, चुंगी सहादतगंज, फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)
फैक्स : 05278-220486, मो. : 09415905607
ईमेल : lallu.singh@sansad.nic.in

दिनांक 07.03.2017

बड़े हर्ष का विषय है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार, निकट लोहिया पुल, फैजाबाद में वार्षिक समारोह एवं एक वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन किया जा रहा है। वार्षिक समारोह के आयोजन व पत्रिका के विमोचन से बुद्धिजीवियों, विचारकों, साहित्यकारों व विद्वत व्यक्तियों के विचार से समाज में जागरूकता आयेगी, इसके अतिरिक्त अन्य शैक्षिक एवं पाठ्य सहगामी गतिविधियों द्वारा विद्यालय की गरिमा-वृद्धि होती रहे, ऐसी मेरी कामना है।

विद्यालय की ओर से इस प्रकार का प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा और जनमानस को इससे लाभ मिलता रहेगा। मेरी ओर से आपको शुभकामनाएँ।

सेवा में,
पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(लल्लू सिंह)

संदेश

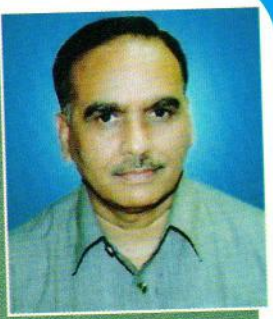

प्रो. जी.सी.आर. जायसवाल
कुलपति
Prof. G. C. R. Jaiswal
Vice-Chancellor

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
फैजाबाद-224001 (उ.प्र.) भारत
Dr. Ram Manohar Lohia Avadh University
Faizabad-224 001 (U.P.) India
Tel.:(O)05278-246223,(R)246224,245209
Fax:(O)05278-246330;E-mail:vc@rmlau.ac.in

दिनांक : 17 मार्च 2017

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार, सोहावल, फैजाबाद (उ0प्र0) अपनी वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन करने जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में संकलित नवीन सूचनाएँ एवं निर्देशात्मक लेख छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास उन्नयन एवं उन्हें प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएँ एवं सम्पादक मण्डल को मेरी हार्दिक बधाई।

श्री पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(जी0सी0आर0 जायसवाल)

संदेश

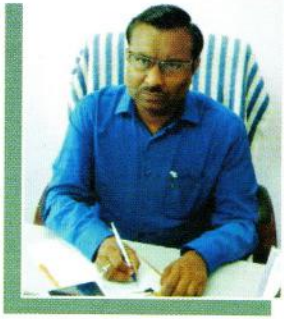

दूरभाष - 05278 245957
फैक्स - 05278 248123

एस० एल० पाल
कुलसचिव

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
फैजाबाद-224001 (उ.प्र.) भारत

पत्रांक-लो.अ.वि./कु.स.का./2017 - मेमो
दिनांक : 17 मार्च 2017

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि 'भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स', सीवार, सोहावल, फैजाबाद द्वारा 'अभ्युदय' का विमोचन दिनांक 24 मार्च, 2017 दिन शुक्रवार को किया जाना है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा की अभिवृद्धि में सहायक होगी।

मैं 'अभ्युदय' के वर्तमान अंक के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(एस0एल0 पाल)
कुलसचिव

संदेश

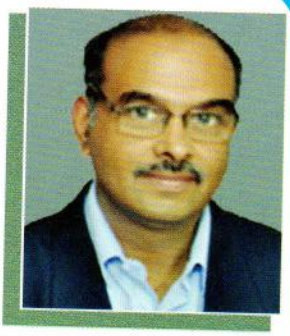

प्रो0 विनय कुमार पाठक
कुलपति

डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दिनांक : 09 मार्च, 2017

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' (2016-2017) प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक क्रिया-कलापों, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों व रचनाओं का समावेश करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को नवीनतम तकनीकी एवं वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराये जाने का एक सफल प्रयास है। वार्षिक पत्रिका के प्रकाशित होने पर सभी को लाभ होगा।

इस पत्रिका में संस्थान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जो विकासशील कार्य हुए हैं उनका ब्यौरा होगा और विद्यार्थियों के लिए वह सब जानकारी होगी जो उनको चाहिए। उन छात्रों के लिए जो अपनी उच्च शिक्षा उ0प्र0 प्राविधिक विश्वविद्यालय से करना चाहते हैं, उनके लिए यह पत्रिका एक संदर्भ पुस्तक के रूप में उपयोगी होगी।

आपकी यह पत्रिका ज्ञानवर्धक तथा दिशानिर्देशिका के रूप में सफलता प्राप्त करे। आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना।

(प्रो0 विनय कुमार पाठक)
कुलपति

संदेश

रामचन्द्र यादव
विधायक
रुदौली-फैजाबाद

B.G. 2, राज्य सम्पत्ति कलोनी
माल एवेन्यू लखनऊ
क-5 No. 323333
मो.-8765954970, 9415220081

हमें यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका (2016-2017) 'अभ्युदय' प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक क्रिया कलापों, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों व रचनाओं का समावेश करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को नवीनतम तकनीकी एवं वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराये जाने का एक सफल प्रयास है।

यह मेरे लिए एक गर्व की बात है कि मेरा संदेश इस प्रतिष्ठित पत्रिका में सम्मिलित किया जाएगा। इस पत्रिका में संस्थान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जो विकासशील कार्य हुए हैं उनका ब्यौरा होगा और विद्यार्थियों के लिए वह सब जानकारी होगी जो उनको चाहिए। यह पत्रिका एक संदर्भ पुस्तक के रूप में उपयोगी होगी।

आपकी यह पत्रिका ज्ञानवर्धक तथा दिशा निर्देशिका के रूप में सफलता प्राप्त करे। आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना।

सादर,

पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(रामचन्द्र यादव)

संदेश

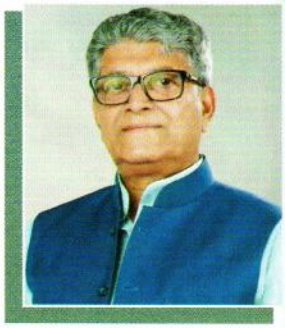

वेद प्रकाश गुप्त
विधायक
अयोध्या-फैजाबाद

दिनांक : 17.03.2017

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि 'भवदीय ग्रुप इन्स्टीट्यूशन्स' सीवार-सोहावल, फैजाबाद विगत वर्ष की भाँति अपनी वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन करने जा रहा है।

आशा है कि सुदूर क्षेत्र में इस शैक्षणिक संस्थान द्वारा दिये जा रहे आधुनिक तकनीकी ज्ञान से समाज के सभी वर्गों के छात्र-छात्रायें लाभान्वित होंगे। मुझे यह पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका में सम्मिलित रचनायें, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का समावेश छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उन्हें प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण सिद्ध होगा।

मैं 'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

सेवा में,
पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

(वेद प्रकाश गुप्ता)

संदेश

बाबा गोरखनाथ
विधायक
मिल्कीपुर-फैजाबाद

बढ़ई का पुरवा
सहादतगंज-फैजाबाद

दिनाँक : 15 मार्च, 2017

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि 'भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स' सीवार, सोहावल, फैजाबाद अपनी वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' के तृतीय अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में सम्मिलित नवीन सूचनाएँ, रचनात्मक क्रिया-कलापों, साहित्यिक लेख छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास, उन्नयन एवं उन्हें प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएँ एवं सम्पादक मण्डल को मेरी हार्दिक बधाई।

गोरखनाथ बा.बा.

(बाबा गोरखनाथ)

सादर,
पी.एन. वर्मा
चेयरमैन
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, फैजाबाद

संदेश

भवदीय ग्रुप ऑफ़ इन्स्टीट्यूशन्स

सीवार-सोहावल : फ़ैज़ाबाद

मिश्रीलाल वर्मा
प्रबन्ध निदेशक

हेमकुञ्ज, 11/24/1-ए,
शृंगारहाट, अयोध्या-224123

दिनांक : 17.03.2017

मंगल-कामना

अपने 'भवदीय ग्रुप ऑफ़ इन्स्टीट्यूशन्स' की पत्रिका 'अभ्युदय' के नूतन अंक (सत्र 2016-2017) के प्रकाशन का सुअवसर हमारे लिये अतिशय उत्साह तथा आनन्द का विषय है। माता-पिता, परिजनों, गुरुजनों एवं सुहृज्जनों के आशीर्वाद, प्रोत्साहन एवं सहकार से विद्यार्थी-जीवन में ही मेरे मन में शिक्षा-संस्कृति, मानवीय-मूल्यों एवं विद्योन्नयन के प्रति समर्पण-भावना का उन्मेष हो गया था। विज्ञान-वर्ग में स्नातक-स्तर तक की शिक्षा ग्रहण कर लेने के उपरान्त आगे की विद्यालयीय-शिक्षा में अग्रसर होने की अनुकूलता न देखकर मैं शिक्षा-विद्या के प्रसार-प्रकाश के व्यवसाय में प्रवृत्त हो गया। वही सत्संकल्प 'भवदीय प्रकाशन' के रूप में मूर्त्तिमान् हुआ, जिसे अवध विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, पूर्वांचल विश्वविद्यालय सहित व्यापक शिक्षा-क्षेत्र के गुरुजनों, अभिभावकों एवं विशेषतः विद्यार्थियों का हार्दिक सहयोग और सद्भाव अपेक्षा से कहीं अधिक मात्रा में प्राप्त हुआ।

तब, अन्तश्चेतना में व्याप्त विद्यानुराग भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के रूप में साकार होने लगा। अनुक्रम में, 21 अगस्त, 2010 को संस्थान का शिलान्यास किया गया और 16 अगस्त, 2011 से प्रथम सत्र का समारम्भ हो गया। विद्या एवं शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी आदरणीय गुरुजनों, शिक्षाव्रती शिक्षकों तथा विद्यानुरागी विद्यार्थियों के सहयोग-समायोग से संस्थान दिनानुदिन अग्रसर होता चल रहा है। जिस प्रशस्त तथा सुविकसित ग्रामांचल में इस संस्थान-समूह की स्थापना हुई है, विशेषतः वहाँ की जनता की शुभ दृष्टि हमारी विकास-यात्रा का सर्वश्रेष्ठ सम्बल है, इसके लिए मैं कृतज्ञ भाव से नतशिर हूँ।

आज-दिन संस्थान का सुनाम अवध विश्वविद्यालय-परिक्षेत्र में अग्रणी विद्यापीठ के रूप में सुख्यात हो रहा है। प्रबुद्ध, सम्भ्रान्त एवं शिक्षा के प्रति जागरूक विविध-वर्गीय नागरिक-गण संस्थान के प्रति प्रोत्साहनपूर्ण आत्मीय सद्भाव रखते हैं। प्रबन्धन-संचालन-प्रशासन-शिक्षण-प्रशिक्षण से जुड़े समस्त महानुभाव पूर्ण तत्परता से संस्थान को अग्रसर बनाने में दत्तचित्त हैं। हमें हार्दिक प्रसन्नता है कि संस्थान में अध्ययन-रत सभी छात्र-छात्राएँ विनीत, अनुशासित एवं विद्यानुराग से आपूरित हैं।

हमारी मङ्गल-कामना है कि संस्थान में शिक्षण-प्रशिक्षण-रत विद्यार्थी आगे चलकर अपने जीवन में सफलकाम बनें। अध्यापक-गण से हमारी हार्दिक अपेक्षा है कि वे इसी प्रकार पूरे मनोयोग से विद्यादान में निरत रहें।—'विद्यादानं महादानम्!' साथ ही, अनुरोध है कि विद्या-विभूषित आदरणीय गुरुजन, विविध क्षेत्रों में अग्रणी सुधी-समाजसेवी महानुभाव एवं समस्त आत्मीय अभिभावक-वृन्द इसी प्रकार संस्थान को अपना सद्भाव एवं सहयोग प्रदान करते रहें, जिससे संस्थान और अधिक प्रवर्धमान हो सके और हम आपकी और अधिक शुभ सारस्वत सेवा करने में सफल-समर्थ सिद्ध हों। सर्वं भवतु मङ्गलम्—

इसी शुभाशा के साथ : आपके सतत सहयोग का आकांक्षी,

(मिश्रीलाल वर्मा)

संदेश

चेयरमैन की कलम से.....

शिक्षा वर्तमान एवं भविष्य के निर्माण का अनुपम साधन है। भारत जैसे ग्राम प्रधान देश में ग्रामीण आबादी की शिक्षा पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया। हमारे देश में स्वैच्छिक प्रयासों की एक लम्बी परम्परा है। इसी क्रम में दूरद्रष्टा श्रद्धेय श्री मिश्रीलाल वर्मा, प्रबन्ध निदेशक ने फैजाबाद जनपद के ग्रामीण अंचल सीवार-सोहावल में रोजगारपरक शिक्षा संस्थान की नींव 21 अगस्त 2010 को रखी एवं 15 अगस्त 2011 से शिक्षण कार्य प्रारम्भ करके ग्रामीण छात्र/छात्राओं की प्रतिभा को पुष्पित- पल्लवित करने का सुअवसर प्रदान किया। स्थापना के चार वर्षों की यात्रा पूर्ण कर संस्थान उत्तरोत्तर विकासोन्मुख है। गतिशीलता जीवन का पर्याय है। ज्ञान दीप लेकर लक्ष्य की ओर अग्रसर होना ही शिक्षालयों का उद्देश्य है। संस्थान की पत्रिका 'अभ्युदय' भी इस दिशा में बढ़ाया गया एक सार्थक कदम है। इसके माध्यम से हम अपने संस्थान में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मन में अंकुरित होते विविध भावों, प्रतिभाओं के बहुरूपों को प्रस्तुत करते हैं, साथ ही साथ यह पत्रिका संस्थान के प्रगति में विविध आयामों को भी दर्शाती है। वर्ष भर के क्रियाकलापों का लेखा-जोखा छात्र/छात्राओं की प्रगति, प्रतिभा सम्पन्नता एवं रचनाशीलता आदि तथ्यों को भी दर्शाती है। हमारी युवा शक्ति एक सच्चे नागरिक की भाँति अपने परिवार, ग्राम, नगर, प्रान्त तथा राष्ट्रीय विकास कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाए, एक चेयरमैन के रूप में यही उनके प्रति मेरा सर्व प्रमुख कर्तव्य है।

शैक्षिक गुणवत्ता को उच्चस्तर पर पहुँचाने हेतु हम अनवरत प्रयासरत हैं। संस्थान का अनुशासन पूर्णरूपेण चुस्त-दुरुस्त रखा जाता है। छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास हेतु विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान आदि भी आयोजित किये जा रहे हैं। किसी संस्था के विकास की कोई सीमा नहीं होती। यह तो ऊर्ध्वगामी मार्ग है। इस मार्ग का लक्ष्य सदैव पथिक से दूर ही रहता है, किन्तु मुझे विश्वास है कि सबके सहयोग से ही 'हम होंगे कामयाब'। संस्थान परिसर में हमने दीर्घ सुविधाओं का स्वप्न संजोया है। हमारे पास प्रगतिशील चिन्तन एवं सहयोगी विचारधारा वाले सहयोगियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं शुभचिन्तकों का समूह है जो निरन्तर संस्थान के विकास हेतु मेरे साथ कृत संकल्प हैं। मेरी कल्पना, मेरा स्वप्न इस संस्थान को एक नये परिवार, एक नये समाज, एक अनोखी व्यवस्था, एक नये राष्ट्र का सृजनहार बनाने का है। मेरी आकांक्षा है कि हमारे संस्थान से जुड़े हर सदस्य की आँखों में यही स्वप्न हो ताकि यह स्वप्न शनैः शनैः वृहत् आकार ले, साकार हो एवं विश्व में क्रान्तिकारी परिवर्तन लाने में सम्भव हो सके। हमारी निरन्तर कर्मशीलता और सर्जनेच्छा अवश्य ही हमारे लक्ष्य प्राप्ति में सहयोगी होगी।

PN Verma

(इं. पी. एन. वर्मा)
चेयरमैन–भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

संदेश

महानिदेशक की ओर से...

प्रोफेसर डॉ. मंशाराम वर्मा
महानिदेशक

पूर्व अधिष्ठाता इंजी. संकाय
नरेन्द्रदेव कृषि एवं प्रौ.वि.वि.
कुमारगंज, फैजाबाद।

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा प्रकाशित "अभ्युदय" 2016-17 अंक के प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह पत्रिका अपनों के आत्मावलोकन के लिए एक दर्पण है तथा वाह्य पाठकों के लिए यह 'भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स' के गतिविधियों, उत्कृष्ट शिक्षा संसाधनों, भिज्ञ एवं कुशल संकाय सदस्यों, होनहार छात्र-छात्राओं एवं अग्रगामी योजनाओं की संक्षिप्त विवरणिका है। हमारा मुख्य लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण नैतिक मूल्यों युक्त विश्व-स्तरीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए समग्र वैयक्तिक विकास का है।

हम अपने इस लक्ष्य को कहाँ तक प्राप्त करने में सफल रहे हैं? इस "अभ्युदय" के माध्यम से देख सकते हैं। इस अग्रेतर प्राप्त करने के लिए हमारे पास अनुभवी, दृढ़ इच्छाशक्ति वाला संकल्पित कर्मठ प्रबन्धतंत्र है जिसके उदार कर्त्तव्यनिष्ठ मुख्य प्रबन्ध निदेशक मा. मिश्रीलाल वर्मा जी हैं तथा सुधी अनुभवी संकाय सदस्य, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, शिक्षण संसाधन, रमणीक वातावरण एवं कर्मठ-अनुशासित विद्यार्थी हैं।

हमारे ग्रुप के विभिन्न संस्थानों की स्थापना ग्रामीण अंचल में हुई है, जो विशेषकर ग्रामीण परिवेश के छात्र-छात्राओं के लिए बहुत ही अनुकूल है। यहाँ पर उच्च स्तर की सभी सुविधाएँ जो पठन-पाठन एवं समग्र वैयक्तिक विकास के लिए आवश्यक हैं, उपलब्ध हैं। हमारी संस्थाएँ नवीन चेतनाओं की प्रयोगशाला हैं, जिसमें विकास की सहज प्रक्रिया अनवरत चलती रहती है। यह परिवेश ही आदर्श, उत्कृष्ट, कर्मठ, मेधावी एवं प्रेरक मानव बनाता है। फलतः हमारी संस्थाओं के सुसंस्कृत छात्र एवं शिक्षक जहाँ भी जाते हैं अपनी कृतित्व एवं व्यक्तित्व की ऐसी अमिट छाप छोड़ते हैं कि वे स्वयं उनके उत्प्रेरक बन जाते हैं। अनेक क्षेत्रों में गये हमारे पूर्व छात्र-छात्राएँ इसके सफल उदाहरण हैं, जो हमारे शिक्षण एवं प्रशिक्षण का उज्ज्वलतम पक्ष भी है। मैं इस ग्रुप के सभी संस्थाओं के प्राचार्यों, अध्यापकों, अधिकारियों एवं सहकर्मियों की भूरि- भूरि प्रशंसा करता हूँ जो संस्थानों के उत्कृष्ट विकास के लिए सकारात्मक सोच, ईमानदारी, कड़ी मेहनत, समर्पण, अनुशासन, दृढ़ संकल्प, दूरदृष्टि तथा धनात्मक ऊर्जा के साथ अनवरत कार्यशील रहते हैं।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हमारे संस्थान निकट भविष्य में अपने उत्कृष्ट एवं सुसंस्कृत छात्रों एवं प्रशिक्षुओं के द्वारा प्रदेश ही नहीं पूरे देश में गौरवान्वित होंगे यही हमारी शुभ कामना एवं हार्दिक बधाई है।

(प्रो0 डॉ0 मंशाराम वर्मा)
महानिदेशक

संदेश

डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा
सचिव/प्रबन्धक

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल-फैजाबाद

सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में पावन सरयू के किनारे पर स्थित भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स आज शिक्षा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित कर रहा है। यहाँ पर संचालित विभिन्न फार्मेसी, व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों ने छात्रों को एक नये मुकाम पर पहुँचाने का प्रयास किया है।

किसी भी कार्य/दायित्व को पूर्णता की तरफ पहुँचाने के लिए एक टीम की आवश्यकता होती है, संस्थान के प्राचार्यगण, प्राध्यापक एवं समस्त कर्मचारीगणों का हमेशा पूरे मनोयोग से सहयोग प्राप्त होता रहा है। इसी का परिणाम है कि यह संस्थान आज इतनी अल्पावधि में शिक्षा के क्षेत्र में एक कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

संस्थान के कैम्पस को हर सुविधा से परिपूर्ण करने की कोशिश की गयी है, जिससे कि सभी छात्र/छात्राओं को समस्त शैक्षणिक सुविधाएँ गुणवत्तापूर्वक प्राप्त हो सकें।

संस्थान के शैक्षिक स्तर को बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष विभिन्न सेमिनार, फैकल्टी डेवलपमेण्ट प्रोग्राम, स्टूडेण्ट डेवलपमेण्ट प्रोग्राम, वर्कशाप, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षणिक यात्रा तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है जिससे छात्रों का प्रत्येक क्षेत्र में विकास सम्भव हो।

मैं भवदीय परिवार के समस्त शिक्षकों, सदस्यों, इष्ट मित्रों तथा शुभेच्छु को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूँ जिनके भरपूर सहयोग से यह सम्भव हो सका। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में 'भवदीय' प्रदेश ही नहीं वरन् देश के उच्चस्थ शैक्षणिक संस्थाओं में अपनी भूमिका अदा करेगा।

(डा0 अवधेश कुमार वर्मा)
सचिव/प्रबन्धक

सम्पादकीय.....

सर्वप्रथम इस भारत भूखण्ड की निर्मित और भारतीय सन्तति के विस्तार के कारण हम सर्वतो प्राचीन हैं। हमारी संस्कृति हिन्दू संस्कृति है। समय-समय पर इसे संकट के बादल ने घेरा, परन्तु भारत माता के सपूतों के प्रयत्नों से यह पुनर्नवा होकर संसार के समक्ष पुनः देदीप्यमान हो उठती है। जिन श्रेष्ठ पुरुषों के कृत्यों से हिन्दू संस्कृति अपनी अजस्र-धारा को बनायी हुई है। उन महात्माओं का स्मरण करना स्वयं को पावन करना है। ऐसे ही दिव्य पुरुष मधुकर दत्तात्रय देवरस जी हैं। वे 1915 ई. में इस धरा धाम पर आकर 1996 ई. में अपनी इहलोक यात्रा पूरी करते हैं। सौ वर्षों के बाद भी आज वे तथा उनके विचार प्रासंगिक हैं।

वैदिक मधुविद्या को संसार में विस्तृत करने के लिए वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिव्य रस को धारण कर अपना सर्वस्व मातृभूमि पर न्योछावर कर देते हैं। यही कारण है कि जन्म शताब्दी वर्ष में उनके अनुयायी उन्हें विनम्र स्मरण करने के लिए अनेक यशस्वी उद्यम कर रहे हैं। कुशाग्र बुद्धि युक्त मितभाषी परन्तु हितभाषी मधुकर दत्तात्रय देवरस अपने घर में 'बाल' नाम से लोकप्रिय होकर कालान्तर में बाला साहब देवरस संज्ञा से ख्यातिलब्ध हुए। एक ही माँ के कोख से उत्पन्न दो सपूतों अर्थात् माननीय बाला साहब देवरस तथा माननीय भाऊराव देवरस ने हिन्दू संस्कृति की पुनर्प्रतिष्ठा हेतु स्वयं को होम कर 'कुलं पवित्रं जननी कृतार्था' इस सूक्ति को चरितार्थ कर दिखाया।

हिन्दुओं के साम्प्रदायिक होने के विषय पर उनका स्पष्ट अभिमत था कि हिन्दुस्तान में हिन्दू संगठन साम्प्रदायिक नहीं है। हिन्दुओं ने कभी अन्य सम्प्रदाय के लोगों के साथ अन्याय नहीं किया। पारसी लोग हिन्दुस्तान आये तो हिन्दुओं ने न केवल उन्हें स्थान दिया अपितु काम करने के लिए व्यवस्था दी और विशिष्ट विधि से पूजा-अर्चना हेतु उपासना स्थल भी दिये। ऐसे अनेक उदाहरण सामने हैं।

समाज में परिवर्तन की दृष्टि से श्री बाला साहब ने अनेक कार्य स्वयंसेवकों के द्वारा प्रारम्भ करवाये। समाज-जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संघ की भावभूमि से कार्य बढ़े इस हेतु वे निरन्तर संलग्न रहे। बाला साहब ने अपने चिन्तन व आचरण से स्वयंसेवकों में जो संस्कार भरे वही आज फलीभूत होकर वर्तमान समय में देश को नेतृत्व देने के लिए मुखिया बनाने तक का मार्ग प्रशस्त कर पाया है।

बाला साहब ने अपने विभिन्न उद्‌बोधनों के माध्यम से हिन्दुओं के अन्दर सुसुप्तावस्था में चली गयी शक्ति के जागरण हेतु अनेक प्रकल्पों का सूत्रपात कर संघ को देशव्यापी स्वरूप प्रदान किया। छोटे-छोटे स्वार्थों से उठ कर देश के व्यापक हितों के लिए कार्य करने वालों की एक लम्बी कतार उनके सत्प्रयत्नों से बनी, जिसे पुनः दोहराने की आवश्यकता है, क्योंकि इस देश को मातृभूमि के साथ-साथ पुण्यभूमि मानकर तादात्म्य स्थापित करना समय की माँग है, युवा-वर्ग राष्ट्राभिमान को ही आत्माभिमान स्वीकार कर गौरव की अनुभूति करे तथा वे अपने मूल को पहचानें, जानें और उससे जुड़ें, ऐसी कोई ठोस कार्ययोजना बनानी होगी। हम अपने कर्त्तव्यों का निर्वहण करने के साथ-साथ इस हिन्दू संस्कृति के मान-बिन्दुओं को न्यास के रूप में बचायें तभी हम गर्व के साथ कह सकेंगे कि हम बाला साहब के अनुगामी पथिक हैं। स्मरण रहे कि हिन्दू संस्कृति ही राष्ट्रीय संस्कृति है इसी मूल से शाखा, पत्र, पुष्प और फल को पहचानना-स्वाभाविक क्रम है। कदाचित तभी हम कह पायेंगे कि— हम ही आदि हैं, हम मध्य हैं और अन्त भी हम ही हैं। इति शम्।।

Dwivedi

(डॉ. प्रेमनारायण द्विवेदी)

अनुक्रम

1.	**भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स : स्थापना एवं विकास**	– डॉ. अवधेश कुमार वर्मा	3
2.	**Annual Rep. : Dep. of Pharmaceutical Sciences**	– Dr. Sanjay Kumar Kushwaha	5
3.	**Annual Rep. : Dep. of Mang. & Comp. Sci.**	– Dr. Shishir Pandey	7
4.	**वार्षिक रिपोर्ट : शिक्षक-प्रशिक्षण विभाग**	– डॉ० दयाशंकर वर्मा	11
5.	**वार्षिक रिपोर्ट : क्रीड़ा समारोह**	– डॉ० दयाशंकर वर्मा	12
6.	**Bhavdiya ERP & Web-based online Portal**	– Atul Srivastava	13
7.	**Importance of Financial Analysis to.....**	– Dr. Shishir Pandey	14
8.	**Financial Inclusion - Role of Indian Banks in .....**	– Er. Abhishek Bhatnagar	16
9.	**Role of Statistics in Our Life**	– Anshika Kashyap	18
10.	**Digital India : A Vision Towards**	– Sumit Srivastava	20
11.	**How do advertisements affect our daily lives?**	– Dhananjay Singh	22
12.	**Positive Thinking: makes our life a better.....**	– Nandini Arora	23
13.	**HR-Analytics**	– Dhananjay Pandey	25
14.	**सांख्यिकी के अध्ययन की रोजगार के क्षेत्र में उपयोगिता**	– रमेश वर्मा	27
15.	**नोटबन्दी**	– राम नायक वर्मा	29
16.	**विद्यार्थी जीवन**	– अजय कुमार तिवारी	31
17.	**आज की हालत** (कविता)	– निर्भय सिंह	31
18.	**बेटी** (कविता)	– राहुल शर्मा	32
19.	**कविता**	– विशाल मिश्र	32
20.	**बेटी बचाओ** (कविता)	– अमित कुमार	33
21.	**जीवन की सच्चाई** (कविता)	– हेमन्त कुमार	33
22.	**धरती माता** (कविता)	– प्रदीप कुमार पाल	34
23.	**संघर्ष ही जीवन है** (कविता)	– ममता शर्मा	34
24.	**आ मुश्किलें तू आ** (कविता)	– अभिषेक कुमार सिंह	35
25.	**रिश्ते** (कविता)	– मोहित वर्मा	36
26.	**ऐ बचपन वापस लौ** (कविता)	–	36
27.	**माता-पिता की मोहब्बत**	– सलमान अली	37
28.	**निर्भय पथ पर बढ़ने वाले** (कविता)	– आकाश गौ	37
29.	**शिक्षक** (कविता)	– भूपेन्द्र यादव	38
30.	**वो सिर्फ माँ है** (कविता)	– अशीष पटेल	38
31.	**Amazing Facts About the Human Body**	– Firdaus Shaikh	39
32.	**The Strong Women**	– Rohit Yadav	39
33.	**Interview Jokes**	– Mamta Sharma	40
34.	**Meaning of Being A Teacher**	– Gayatri Maurya	40
35.	**असफलता सफलता से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है**	– प्रियंका राय	41
36.	**हार नहीं होती** (कविता)	– गायत्री मौ	41
37.	**जाना पहचाना साथी** (कविता)	– आशीष पटेल	42
38.	**जिन्दगी के साथ समझौ** (कविता)	–	42

39. **भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा की आन्तरिक चुनौ**	– अवनीश शुक्ल	43
40. **माँ** (कविता)	– आलोक कुमार सिंह	44
41. **शिक्षक औ**	– राजन शर्मा	45
42. **अष्टग्रही दोहावली**	– आलोक प्रीतम पाण्डेय	46
43. **माँ** (कविता)	– मो. फारुक	47
44. **बसंत का मौ** (कविता)	– राहुल कुमार	47
45. **जिन्दगी का फण्डा** (कविता)	– सुहानी चौ	48
46. **एक कविता हर माँ के नाम** (कविता)	– कुमार गौ	49
47. **मेरे प्यारे पापा**	–	49
48. **स्टूडेंट के लिए विचार**	– अमित कुमार	50
49. **स्वामी विवेकानन्द** (कविता)	– संध्या वर्मा	50
50. **प्रार्थना** (कविता)	– रागिनी यादव	51
51. **गणित के अनमोल वचन**	– शै	52
52. **व्यंग्य**	– सुरेन्द्र कुमार गोस्वामी	52
53. **सफलता के सोलह सूत्र**	– नीरज तिवारी	53
54- **India So Great**	– Neeraj Tiwari	53
55. **संस्थान गीत** (कविता)	– आलोक कुमार	54
56. **विज्ञान चालीसा** (कविता)	– अंकित कुमार सिंह	55
57. **आश्चर्यजनक वृक्ष** (कविता)	– अंकित कुमार सिंह	55
58. **कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ मुहिम : माँ तुम पछताओगी**	– प्रिया श्रीवास्तव	56
59. **राजनीति का तुष्टिकरण**	– अंशिका सिंह	57
60. **स्कूल की याद**	– विकास शर्मा	58
61. **तमन्ना दिल की** (कविता)	– काजल सिंह	59
62. **Man is the Architect of His Own Fate**	– Rajan Sharma	60
63. **पिता** (कविता)	– अभिषेक कुमार	61
64. **अपनों की पहचान** (कविता)	– अभिषेक कुमार	61
65. **सच एक अनुभव**	– मीनाक्षी पाण्डेय	62
66. **गुरु की महिमा** (कविता)	– मीनाक्षी पाण्डेय	62
67. **बेटी तो आखिर बेटी है** (कविता)	– अंजली राय	63
68. **लड़कियाँ** (कविता)	– रचना माझी	63
69. **परिवर्तन की अभिलाषा** (कविता)	– सुधा यादव	64
70. **बेटियाँ, हास्य व्यंग्य** (कविता)	– रुचि दूबे	64
71 **इस नववर्ष** (कविता)	– सुचिता वमा	65
72. **श्रेष्ठ शिक्षण : शिक्षिका या शिक्षक?**	– रोशनी सोनी	66
73. **जोड़ना है** (कविता)	– नेहा कन्नौ	67
74. **आवाज़ों के जंगल में हमारी सुने कौ**	– तसलीमा बानो	68
75. **अमल करने योग्य बातें**	– मानसी रावत	69
76. **गर्भ में बेटी की पुकार** (कविता)	– श्वेता	70
77. **बेटियाँ** (कविता)	– पूजा यादव	70
78. **मिसाल** (कविता)	– अवन्तिका पटेल	71
79. **मुस्कान**	– शीतल वर्मा	71
80. **समाचार पत्रों में भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स** (BGI)		72

❖❖❖

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स : स्थापना एवं विकास

[प्रारम्भ से आज तक]

—डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
(सचिव)

आदरणीय महानुभाव !

ज्ञान औ
युग से हमारे देश में चली आ रही है
संवहन में यथाशक्ति अपनी भूमिका निभाना हर भारतवासी का परम कर्त्तव्य है
वस्तुत: समाज-सेवा की भावना है
संयुत अभ्युदय की प्रेरणा देती रहती है
विचार औ
सदृश मनस्वियों तथा सुजनों के अनुग्रह से विकसित होता है

तदनुरूप इन्स्टीट्यूशन की स्थापना के स्वप्न को साकार करने के लिए 5 जुलाई 2010 को इस भूखण्ड (जिसका क्षेत्रफल लगभग 8 एकड़ का है
कराई गई। इसके पश्चात् 21 अगस्त 2010 को भूमि पूजन का कार्य सम्पन्न करके शै
विभिन्न कोर्सों की मान्यता के लिए फाइलिंग का भी कार्य समानान्तर डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फै B.B.A., B.C.A. कोर्स तथा M.B.A. कोर्स हेतु AICTE दिल्ली में आवेदन किया गया। आदरणीय चेयरमै
वर्मा के कुशल निर्देशन एवं अथक प्रयास के परिणामस्वरूप एक ही वर्ष के अन्दर मंगलवार, 16 अगस्त, 2011 को संस्थान के प्रथम शै
उद्घाटन परमादरणीय डॉ0 रामशङ्कर त्रिपाठी, फै
की अध्यक्षता में, प्रोफेसर अवध राम, पूर्व कुलपति महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा डॉ. रामअँजोर सिंह, पूर्व प्राचार्य, रामनगर, पी. जी. कॉलेज, बाराबंकी तथा श्रीमती डॉ. राधारानी सिंह, बाराबंकी व अयोध्या-फै
विद्वानों की उपस्थिति के साथ-साथ स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग व सम्मानित जनता की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था।

तदुपरान्त बी. टी. सी. एवं डी. फार्म. कोर्सेज के संचालन हेतु प्रयास किया गया। फलस्वरूप अगस्त 2013 से बी. टी. सी. की कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ हो गया। इसी शै दनांक 24.8.2013 को डी. फार्मा. की मान्यता प्राप्त होना संस्थान के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि साबित हुई, जिसकी कक्षाएँ सितम्बर 2013 से प्रारम्भ हुईं।

इसी कड़ी में B.T.C. पाठ्यक्रम के संचालन हेतु संस्थान की नयी शाखा ग्राम बरई कलाँ जो कि इस कै
इंस्टीट्यूट के नाम से स्थापित हुई है
2015-16 से NCTE द्वारा बी.टी.सी. पाठ्यक्रम की मान्यता प्राप्त हो चुकी है
प्रबन्धक निदेशक, चेयरमै
प्रो. एम. आर. वर्मा जी के निर्देशन में बी.टी.सी. के प्रत्येक पाठ्यक्रम में अतिरिक्त यूनिट के लिए NCTE में आवेदन किया गया था जो कि आपके कुशल निर्देशन में विगत 3 मार्च 2016 को पूर्ण हो गया है
बी.टी.सी. पाठ्यक्रम की प्रवेश क्षमता इस ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षित माँग के अनुरूप हो चुकी है

कुशल निर्देशन एवं प्रयास तथा टीम वर्क का प्रतिफल है

ग्रामीण क्षेत्र में भी MBA की 60 सीटों पर प्रवेश समय से पहले हो जाता है

अन्य जिलों से भी बच्चे मै

है

प्लेसमेण्ट सेल का गठन किया है

पाण्डेय (असिस्टेन्ट डायरेक्टर) छात्रों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों में Campus Selection कराने हेतु प्रतिबद्ध है

2015-2016 शै

जनपद के नब्बे इण्टर कालेजों में बच्चों के अन्दर कम्प्टीशन की भावना जागृत करने हेतु क्विज कम्प्टीशन करा कर प्रत्येक विद्यालय के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर चुके छात्रों को इंस्टीट्यूशन कै

क्रमश: 20 दिसम्बर 2015 एवं 3 जनवरी 2016 को पुरस्कृत किया गया तथा उसी दिन इन विजयी छात्रों द्वारा मेगा क्विज कम्प्टीशन का भी आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र/छात्राओं के साथ-साथ उन कालेजों के प्रधानाचार्य गण को पुरस्कृत व सम्मानित किया जाना है

संस्थान के सभी संकाय सदस्यों व छात्रों के प्रयास से भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने शिक्षा के अलावा अन्य सामाजिक जिम्मेदारियों का भी भली-भाँति निर्वहन किया है

से ही समाज का विकास हो सकता है

है

ग्रामीणों में कम्बल-वितरण, नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर दवा-वितरण एवं प्राकृतिक आपदा से पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक राहत प्रदान करना आदि कार्य भी समय-समय पर किया जा रहा है

प्रबन्धतन्त्र द्वारा **स्टूडेन्ट वेलफेयर एकाउण्ट** की व्यवस्था की गई है

दण्ड द्वारा एकत्र राशि को सुरक्षित रखा जाता है

जरूरतमन्द छात्र एवं छात्राओं को विभिन्न मदों जै

किया जाता है

के जरूरतमद छात्रों की मदद संस्थान द्वारा की गयी है

इसी के तहत गरीब/अनुसूचित छात्रों हेतु संस्थान द्वारा नि:शुल्क हास्टल की व्यवस्था की गयी है

50 छात्र रहकर अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे है

संस्थान की यह भूमि, जिसका क्षेत्रफल 8 एकड़ में फै

प्रबन्ध-निदेशक के कुशल निर्देशन में एवं तकनीकी पद्धति के द्वारा 90% क्षेत्रफल की जमीन को हरा-भरा बना दिया गया है

विकसित कर हरियाली का स्वरूप प्रदान करने का पूरा-पूरा प्रयास चल रहा है

यह भी मानना है

जनता का तथा इस विद्वत्-समाज का दिशा- निर्देश व आशीर्वाद मिलता रहा, तो आगामी समय में प्राकृतिक हरियाली के साथ-साथ शै

विकसित करने का इन्स्टीट्यूशन का प्रयास सफल हो जायेगा। संस्थान द्वारा इस वर्ष 100 छात्रों हेतु हास्टल की व्यवस्था की जा रही है

ग्रहण करने में कठिनाई न हो। संस्थान के प्रबन्ध तंत्र द्वारा अभी इस शै

काम., बी.एस-सी. (कृषि), बी.एस-सी. (गृहविज्ञान), बी. लिब., बी.पी. ई. एल.एल.-बी. (त्रि-वर्षीय) की कक्षाओं का संचालन प्रस्तावित है

यदि आप महानुभाव एवं भवदीय परिवार के सभी सदस्यों का इसी तरह से सहयोग एवं प्रेरणा मिलता रहेगा तो निश्चित ही भविष्य में संस्थान में उपरोक्त पाठ्यक्रम संचालित होंगे, जो कि इस ग्रामीण क्षेत्र के विकास में एक मानक तय करेगी।

इसी के साथ आपके सहयोग एवं आशीर्वाद की कामना करते हुए!

धन्यवाद!!

❑

Annual Reports- Bhavdiya Group of Institutions Department of Pharmaceutical Sciences

–Dr. Sanjay Kumar Kushwaha
PRINCIPAL

"I deem in my privilege to place a brief report of the activities of the academic year 2016-17". ***Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research*** (BIPSR) was established in 2013. BIPSR is Affiliated from Pharmacy Council of India **(PCI)** and Board of Technical Education **(BTE)** and approved from All India Council for Technical Education **(AICTE)** with intake of 60 seats. BIPSR has emerged as a pharmacy institution with a promising institution of the region, providing value added, quality education in pharmacy, and an institution striding towards excellence, with the vision ***"To establish an excellent, value-based higher educational hub to meet the challenges of global competitiveness",*** several steps are being undertaken for multidimensional growth of the students and institution, contributing in turn towards the growth of a healthy and happy society.

Students— In the current academic session, we have totally 120 students in the D. Pharm. Regular classes were conducted without compromising with the standard of teaching. All academic measures were sincerely followed to create an ambience for teaching and learning in the BIPSR. Emphasis was given to experimental/ practical learning. Apart from this, presentation/class test have also been organized for exposing the students to become confident. Strict discipline is maintained in the BIPSR to provide safety, security, and ambience for learning. A balance between curricular and extracurricular activities is very well maintained in the college to prevent any student entering into a state of boredom or to become a bookworm.

Academic Excellency Achievers : The students of BIPSR were performed time to time and proved they outstanding.

S. No.	Session	Class	Name of the candidate	Marks obtained (%)
1.	2013-14	D. Pharm I Year	Jagriti Gautam	75.91
2.			Suman Nishad	74.52
3.			Anupam Tiwari	72.43
4.	2014-15	D. Pharm I Year	Sonam Singh	80.00
5.			Astha Yadav	77.73

6.			Ranjeet Patel	72.26
7.		D. Pharm II Year	Jagriti Gautam	81.71
8.			Suman Nishad	75.33
9.			Shahbaz Alam	74.76
10.	2015-16	D. Pharm I Year	Abhishek Kumar Singh	79.22
11.			Shivshankar Verma	78.87
12.			Vivek Kumar Gupta	77.39
13.		D. Pharm II Year	Sonam Singh	80.76
14.			Astha Yadav	80.19
15.			Lucky Verma	78.09

Staff— We have 08 full time teaching faculty members and 19 non-teaching staff as per PCI/AICTE norms.

Library— We have totally 1768 Volumes, 400 titles and animal experimental software CDs, in our library. We have subscribed 09 Journals, three general magazines and two newspapers in the library.

Extra-curricular activities— We firmly believe that all round development takes place only if a student participates in various extra-curricular activities. Therefore, a lot of emphasis and importance has been given to it. Sports activities, such as Cricket, Volley ball, Badminton, Carom, Chess and various athletic events including field and tract, were organized. There were nearly twelve events in cultural activities were conducted during the session with active participation of the staff and students. The following extra-curricular activities were organized in the college for the benefit of students and staff.

Celebration of World Pharmacist Day 2016— The World Pharmacists Day was celebrated on 25th September 2016, at the BIPSR campus. The program was started with Maa Saraswati Vandana and lighting of lamp by ***Mr. Ratnakar Pandey, Food Safety Officer, Faizabad*** who presided in the capacity of ***Chief Guest*** for the program in the presence of ***Dr. S. K. Kushwaha,*** Principal BIPSR, ***Shri Mishri Lal Verma,*** Chief Managing Director, ***Eng. P. N. Verma,*** Chairman, ***Prof. M. R. Varma,*** Director General, and ***Dr. Avadhesh Verma,*** Secretary Bhavdiya Group of Institutions (BGI), Faizabad.

The students and faculty members of BIPSR took the Pharmacist's Oath collectively to remind their role towards the society and health care system. Banners and posters, portraying various aspects of pharmacy and health care issues were prepared and displayed by the students.

In the direction of faculty members, the Pharma Quiz Competition, Poster presentation, Treasure Hunt and Extempore were organized for the students which they enjoyed a lot.

Free drug distribution and health check-up camps— Free drug distribution and health check-up camp were organized on 20th February at ***Rikabganj***, Faizabad, 8th September at ***Amaniganj,*** Faizabad and 8th November 2016 during the ***Chaudah Koshi & Panch Koshi Parikrama*** fair in Ayodhya. In the camp, facilities like First Aid, health check-up for hypertension and diabeties as well as medicine for Pain, Fatigue, Fever, Vertigo, Eye Infection, Nausea, Vomiting & Diarrhea were dispensed. In the camp staff and student of pharmacy department were actively participated and proved their role as a pharmacist for the wellness of mankind.

One day seminar— Senior scientists ***Dr. Anil N. Gaikwad*** CDRI delivered a lecture on ***"Progress and benefits of Drug Research and Development"*** for the benefit of our D. Pharm. Students and faculty members held on 20th Sep. 2016.

Industrial Visit— A visit to CDRI, Lucknow was organized for the students, where interaction with various scientists and students was done. Different department scientists presented their research work and advancement in research technology on 29th Sep 2016.

Conclusion— BIPSR is growing and marching ahead with all its might, definitely with the right spirit and in the right direction. We have proposed to start ***B. Pharm Course*** from the current session and this is possible because BIPSR family believes and follows the institutional Core Values namely Discipline, Determination, Dedication, Integrity & Trust, Interest & Involvement. Student are oriented here towards conspicuous value additions, namely, the quest for knowledge, the desire for innovation, the approach for total personality development and the pride in being a member of BIPSR family. The institute has rightly envisioned becoming a role model in Pharmacy education and the most preferred choice of students, parents, faculty and industry.

❑

Department of Management & Computer Science

Annual Report 2016-17

–Dr. Shishir Pandey

Group of Institutions located at Sewar, Sohawal, Faizabad, was established in 2010 and first session started in 2011-12 with the following courses **M.B.A., B.B.A. and B.C.A.** with the vision of providing professional education in rural area and the people belongs to each part of the society.

Master of Business Administration

(MBA) is running under **Bhavdiya Institute of Business Management (BIBM)** affiliated to **A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow (AKTU) CODE: 743** and providing all Specialization offered by the university i.e. Finance, Marketing, Human Resources, Information Technology and International Business. The course is approved by **All India Council of Technical Education (AICTE)**. The institute is having the Intake of 60 seats. Bhavdiya Institute of Business Management is one of the leading institutes of Faizabad and nearby Districts. Any graduate, with 50% marks (for SC/ ST 45%) can get admission in MBA. We provide free education to SC/ST students. Institute has Teaching and Non-teaching staff as per norms and having a well equipped computer lab and Library with sufficient number of books and journals.

A separate Training and Placement cell works to grooming the quality of our students to meet out the cut throat competition and provide them job opportunities during the course. Our students have been placed at higher position in different companies.

We always encourage and recognize our topper students for their success.

Toppers of the last three years students

- 2013-14 Anchal Nigam 75% working as Assistant Professor in Jhunjhunwala Business School, Faizabad
- 2014-15 Manoj Kumar Pandey 6 9 % working as Assistant Manager, Mahindra Automotive, New Delhi
- 2015-16 Sabiha Khatoon 69.50 %

Bachelor of Business Administration (BBA) and **Bachelor of Computer Application (BCA)** are under graduation degree courses running in **Bhavdiya Educational Institute** (RMLAU CODE-275). The institute is affiliated to Dr. Ram Manohar Lohia Awadh University, Faizabad, U.P. Both the courses are approved by University Grant Commission, New Delhi.

Bachelor of Business Administration

BBA is a specialized course for Business Management in which student of intermediate having 45% marks (for SC/ST 40%) from any discipline can get admission. Most of our students prefer MBA course after BBA, though we provide them the job opportunities. Some of our students are working in renowned companies.

The toppers of BBA last three years:

- 2013-14 Pooja Pandey 75.55%
- 2014-15 Jyoti Singh 72.65%
- 2015-16 Mohd. Fahim Khan 72.97%

Bachelor of Computer Application

To make aware with computer and software technology, we provide **BCA** course. We produce software developers through BCA and most of our students are working in different Software companies. A separate training session is also provided to the students to improve and aware with new technologies of software development. In BCA, student of intermediate with Mathematics

having 45% marks (for SC/ST 40%) can get admission.

The toppers of BCA last three years:

- 2012-13 Gaurav Kumar 76.80%
- 2013-14 ShiwaniRastogi (**University Gold Medalist**) 78.97%
- 2014-15 Rakshit Gupta 77.75%

Extra Curricular Events :

1. On 11th April 2016, Department of Management and Computer Sciences commenced its first event with an industrial visit of Maza Plant at Amrit Bottlers, Faizabad. This visit was very helpful for students to know about corporate working culture. All students were instructed to prepare a report on that visit. The personnel of Amrit Bottlers guided students and solved their queries. Dr Shishir Pandey and Mr. Sumit Srivastava were the mentors of the students.
2. On 18th April 2016, all the students presented their reports on industrial visit. Eight teams were participated in that event. The Management Committee was present to judge and suggest the participants. Students presented their report in presence of all the faculty members and students. The presentation was compulsory for all classes. Ms. Shrddha Srivastava scored first rank in the presentation. Prof. M.R. Verma, Director General, BGI has suggested the students how to improve their presentation skill and how effectively they could use the aids.
3. A guest lecture was held on 19th April 2016. The guest Dr. Subhash Kumar Yadav, Assistant Professor, Dr. RML. Avadh University delivered a lecture on "Statistics and its Application in Business and Society". Dr. Yadav taught the students about the utilization and importance of statistical tools in research and business projects.
4. On 25th April 2016, a competition on "Slogan writing & Poster Making competition on SAY NO TO POLYTHINES and PAPER WALLET EXHIBITION". Four teams were participated in the competition. All the students did very hard work to prepare paper bags and all other items. Team of BBA II secured first position as per the result declared by the Managing Director and the Chairman Sir. Students have shown their talent in craft and creativity in this campaign.
5. May 4, a farewell party by junior students was organized to pay regards to their seniors. In the presence of Capt. R.N. Verma, Administrative Officer, Dr. Shishir Pandey, Assistant Diractor and all faculty members. Students showed their talent and perform in different forms as singing, dancing, speech, poetry etc. At the end of the program, Miss & Mr. Farewell were declared on basis of the voting of the junior students.
6. May 9, Dr. Naresh Kumar Chaudhary, Assistant Professor, Department of Physics and Electronics, Dr. Ram Manohar Lohia Avadh Uinversity, Faizabad, delivered an invited lecture on "Digital India and Information & Communication Technology in Education". Dr. Chaudhry has informed the students how e-governance is becoming more effective under Digital India Campaign. He is also Coordinator of Digital India Program. This program is also very important in context to AICTE norms.
7. May 16, an expert lecture from corporate on "Export and Incentive Procedure" was delivered by Mr. Anil Gupta, Vice-President, Yash Papers Ltd., Faizabad. He taught us the procedure of export in India. He gave the information about the international trade and the incentives procedure as well. Through his presentation we got the knowledge of the policies framed by the government to encourage export in the country.
8. May 31, World no tobacco day was celebrated by the students, in which they prepared charts and wrote slogans to stop the use of tobacco. Students have given message to the society for prevention of tobacco consumption.
9. Students participated in Independence Day celebration. Some of our students

participated in the program and celebrate our freedom.

10. On 26/08/16, English Spoken Workshop was conducted to improve the communication skill of students. In the workshop use of communication technique were taught to students.
11. On 05/09/16, teacher's day was celebrated by the students. They performed in different activities. In the same program orientation was also conducted. Students paid regards to their teachers and introduce the organization to the fresher.
12. On 08/09/16, International Literacy Day was celebrated, in this event, Mr. Abhishek Bhatnagar delivered a lecture on literacy and career counseling of the student.
13. On 30/09/16, we have conducted a business quiz competition in four rounds. Ten teams have participated in this competition.
14. Students started this month with "Swachchh Bharat Abhiyan" on 1st of October. This campaign is an initiative of Hon'le Prime Minister to clean your surroundings which will help to clean the nation. Students cleaned all the classrooms and encouraged other departments to do so.
15. Miss Nandini Arora conducted One Day workshop on Communication on 14 of October to improve communication skill of the students.
16. Mrs. Anshika Kashyap took a lecture of Statistics on World Statistics Day on 24 October. She taught the students importance and application of statistics in their professional life.
17. The last event of this month was Rangoli Competition and Deepawali Exhibition on 28of October. Students decorated the building with their rangoli designs and sold the diwali products such as diyas, candles, wall hangings etc. made by them.
18. Essay competition was held on 11th November 2016, to improve writing skill of students. The topic of essay was corruption and its impact on society. Dharmendra Patel of BCA 1st Semester secured the first position in this competition.
19. A workshop on Cyber Security was organized on 18th November 2016 in association with PNP Intech. Cyber security is an important part of our life nowadays. Digital India Campaign encourages cashless transactions in which chances of cyber crime is higher. To secure our digital transaction this workshop was very beneficial.
20. Industrial Visit at Sahara Bakers Pvt. Ltd. (Parle Factory) was conducted on 22nd Novem] 2016. Students got information about the production process of Parle Biscuits and its marketing strategy. The Production Manager informed about each steps of production to our students.
21. A workshop on Financial Literacy by Dr. Sailesh Dwivedi, Financial Education Resource Person, SEBI was held on 17th February 2017. Dr. Sailesh Dwivedi has delivered a lecture on benefits of investments and role of SEBI to investors' security.

Summary :

Development of the institute depends upon the students' growth; we have provided the platform especially to the students belong to this region. Students have participated in academic as well as extracurricular activities during the last session. They have experienced different activities to develop their skills and improve their personality and raise their talent. In academics they have done better and improve their level of education as most of the students belong to Hindi medium background. Special classes of English and personality development are being provided to students to improve their knowledge of the language in which they will have to appear in exams and interviews. Different learned personalities from different industries and universities have shared their knowledge and experience with us to make us aware with the current scenario of economic development.

The institute is thankful to the people who always bless and support for our growth and development. We hope, we will provide better opportunity to the society in the field of professional education in this area.

❑

वार्षिक रिपोर्ट : शिक्षक-प्रशिक्षण विभाग

—डॉ. दयाशंकर वर्मा
उपप्राचार्य

भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (BTC) का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् जयपुर सम्बद्धता : एस. सी. ई. आर. टी. इलाहाबाद से प्राप्त है तथा इसमें प्रवेश शासन/ एस. सी. ई. आर. टी. के मानक एवं नियमानुसार किया जाता है

भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट (B.Ed.) का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् जयपुर एवं सम्बद्धता डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फै
संयुक्त प्रवेश परीक्षा तथा काउन्सलिंग के माध्यम से होता है

इसके अतिरिक्त श्री साईं राम इंस्टीट्यूट का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद जयपुर सम्बद्धता SCERT इलाहाबाद से है
16 के 50 छात्र अध्ययनरत है
100 सीटों की बढ़ोत्तरी इस संस्थान में हो रही है इस संस्थान की नियमित कक्षाएँ 22 सितम्बर 2016 से प्रारम्भ हो गयी है
(BTC) का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् जयपुर सम्बद्धता SCERT इलाहाबाद से हो चुका है आगामी सत्र में 50 सीटों पर SCERT के मानक एवं नियमानुसार इस संस्थान में प्रवेश दिया जायेगा।

संस्थान के बी. एड्. एवं बी. टी. सी. विभाग में विगत वर्षों का शै
है
सत्र 2012-14 बै
की सरकारी नौ ै तथा 2 छात्र लेखपाल भर्ती परीक्षा उत्तीर्ण कर नौ कर चुके है
(BTC) तथा भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट (B.Ed.) के छात्रों ने उ. प्र. शिक्षक पात्रता परीक्षा (UP TET) तथा केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) जै
को उत्तीर्ण कर संस्थान का नाम रोशन किया है

रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन नवम्बर 2016 में किया गया जिसमें विभाग की सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्राओं ने अध्यापिकाओं को मेंहदी लगाकर प्रतियोगिता की शुरुआत की, तत्पश्चात छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की रंगोली बनाकर उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया। निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में सुधा यादव (BTC प्रथम सेमेस्टर) को प्रथम स्थान तथा रचना सिंह (BTC प्रथम सेमेस्टर) को द्वितीय स्थान मिला। विजयी छात्राओं को एस. डी. एम. सोहावल श्रीमती दीपा अग्रवाल एवं तहसीलदार सोहावल ने शील्ड तथा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

मार्च माह के प्रथम सप्ताह 2017 में बी. एड्. द्वितीय वर्ष तथा बी. टी. सी. तृतीय सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं का एक दल शै
ऋषिकेश, देहरादून एवं मसूरी को गया था। जिसमें संस्थान के छात्र/छात्राओं के अलावा विभाग के प्राध्यापक भी शामिल थे। यह शै
से चलकर हरिद्वार पहुँचा जहाँ पर छात्रों ने रुककर शांतिकुञ्ज, पतंजलि विश्वविद्यालय, हरि की पै
स्थानों को देखा तत्पश्चात् छात्रों का भ्रमण दल ऋषिकेश होते हुए देहरादून तथा मसूरी भी गया जहाँ पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न दर्शनीय स्थलों की जानकारी हुई एवं उन्होंने शै

❑

वार्षिक रिपोर्ट : क्रीड़ा समारोह

– डॉ. दयाशंकर वर्मा
क्रीड़ा संयोजक

संस्थान में 27 व 28 जनवरी 2017 को वार्षिक खेल समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रांगण में इस आयोजन के अन्तर्गत क्रिकेट, वॉलीबाल, कबड्डी, कै
प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल प्रशिक्षक डॉ० दयाशंकर वर्मा के निर्देशन में इस खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता व राज्यसभा सांसद माननीय श्री विनय कटियार जी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा गुब्बारे उड़ाकर किया। वॉलीबाल प्रतियोगिता का फाइनल मै
वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट एवं भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एण्ड रिसर्च के बीच खेला गया जिसमें भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एण्ड रिसर्च विजेता एवं भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट उप विजेता रहा। विजेता टीम में..... शामिल रहे। क्रिकेट मै
का फाइनल भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट तथा भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मै
टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट विजेता रहा विजयी टीम में कौ
अखिलेश, राहुल, नियाज अहमद आदि शामिल थे।

गोल फेंक में बी. आई. बी. एम. के छात्र को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ तथा चक्का फेंक में बी. टी. सी. के छात्र को प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौ
प्राप्त हुआ। 100 मी. छात्राओं की दौ
इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एण्ड रिसर्च को प्रथम स्थान तथा भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

100 मी. छात्रों की दौ
टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के छात्र प्रथम स्थान हासिल करने में सफल रहे। म्यूजिकल चेयर में बी. एड्. प्रथम वर्ष की छात्रा अवन्तिका पटेल विजेता बनी। कबड्डी प्रतियोगिता का रोमांचक मै
डी फार्म की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें मै
की टीम विजयी रही। सभी प्रतियोगिताओं में भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सभी छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पुरस्कार एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि मा. श्री लल्लू सिंह सांसद फै
के प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा जी ने विजेता टीम एवं छात्रों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्द्धन किया। मुख्य अतिथि महोदय ने वर्तमान में शिक्षा के साथ-साथ खेल के महत्त्व को समझाते हुए छात्रों को खेलों में भी कै
चेयरमै
स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। संस्थान के महानिदेशक प्रो. मंशाराम वर्मा जी ने संस्थान में खेलकूद के स्तर को बढ़ाने पर विशेष बल दिया। संस्थान के सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा जी ने खेल प्रतियोगिता में संस्थान के प्राचार्यों, प्राध्यापकों, तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के निष्ठापूर्वक सहयोग पर आभार व्यक्त किया। खेल संयोजक डॉ. दयाशंकर वर्मा जी ने संयोजक के रूप में सभी का आभार ज्ञापित करते हुए विशेषकर सहायक निदेशक डॉ० शिशिर पाण्डेय (BIBM) एवं प्राचार्य डॉ० संजय कुशवाहा (BIPSR) के प्रति आभार व्यक्त किया तथा इस क्रीड़ा प्रतियोगिता को कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराने एवं अनुमति देने के लिए संस्थान के प्रबन्धतंत्र को विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

❑

Bhavdiya ERP & Web-Based Online Portal

–Atul Srivastava
Manager Admin.

आज के युग में ज्ञान-विज्ञान एवं टेक्नोलाजी में अभूतपूर्व प्रगति हुई है कम्प्यूटर क्रान्ति के ज्ञान के आकाश का बहु-आयामी विस्तार कर दिया है अध्येताओं, छात्रों, अभिभावकों सबको इस ज्ञान-प्रकाश से लाभ दिया है

इस प्रविधि से हम अपने संस्थान में भी **Web-Based Online Portal** के माध्यम से अध्यापन प्रक्रम एवं विभिन्न क्रियाकलाप के विषय में संक्षेपत: कुछ सूचनायें प्रस्तुत कर रहे है
प्रकार की सूचनाये पोर्टल एवं मोबाइल पर मै

- ❑ Student Detail (Student full Information) : संस्थान में पढ़ने वाले सभी छात्र/छात्राओं की संक्षिप्त सूचना।
- ❑ Courses/Class Details (Subject with their Teacher's Name) : संस्थान में पढ़ाने वाले सभी अध्यापको की विषयवार सूचना।
- ❑ Syllabus (All Subjects) : संस्थान में सभी कोर्सो के पाठ्यक्रम का वार्षिक विवरण।
- ❑ Attendance Detail : संस्थान में पढ़ने वाले सभी छात्र/छात्राओं के अभिभावकों को पोर्टल के माध्यम से छात्र की उपस्थिति/अनुपस्थिति का विवरण।
- ❑ Student Performance Report : संस्थान में अध्यापन करने वाले छात्र/छात्राओं के शै स्थिति की नवीनतम् सूचना।
- ❑ Library Book Status : संस्थान के पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों/जर्नल्स/इन्साइकलोपीडिया की स्थिति की जानकारी।
- ❑ Examination Schedule : छात्र/छात्राओं एवं अभिभावको के मोबाइल पर विषयवार एवं परीक्षा की तिथि के दो दिन पूर्व मै ERP द्वारा स्वत: भेजा जायेगा।
- ❑ Student's Daily Home Work Diary : छात्र/छात्राओं की दै
- ❑ College Event List : संस्थान में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी एवं मोबाइल पर मै
- ❑ Teacher's Note (Receiver teacher's note and reply section) : संस्थान के छात्र/छात्राओं द्वारा किसी भी प्रश्न के उत्तर की जानकारी पोर्टल पर ऑनलाइन अपने अध्यापकों से ली जा सकती है
- ❑ Holiday List : संस्थान में होने वाली अवकाश सम्बन्धी सूचना पोर्टल एवं मोबाइल पर मै
- ❑ Queries from Parent : अभिभावको को किसी भी प्रकार की सूचना के लिये पोर्टल पर जाकर अपनी समस्या को पोस्ट करें औ

उपरोक्त ऑनलाइन सुविधा के द्वारा छात्रों एवं अभिभावकों को संस्थान की नवीनतम् सूचनाओं एवं छात्रों के क्रियाकलापों की जानकारी के लिये पोर्टल की वेबसाइट http://bhavdiyaportal.eduscol.in/ के माध्यम से सम्पर्क करके आधुनिक व्यवस्था का लाभ उठायें।

नोट : पोर्टल सम्बन्धी किसी भी असुविधा के लिये मोबाईल नम्बर पर 7703005304 पर किसी भी कार्यदिवस में प्रात: 11 बजे से सायं 4 बजे के बीच सम्पर्क करें तथा जिन छात्रों/अभिभावकों को पोर्टल का Login ID एवं पासवर्ड अभी तक नही प्राप्त हुआ है

❑❑

प्रबन्धन-अनुभाग

Importance of Financial Analysis to ascertain financial performance of a business concern

–Dr. Shishir Pandey

Associate Professor, BIBM

Financial Analysis is defined as being the process of identifying financial strength and weakness of a business by establishing relationship between the elements of balance sheet and income statement. The information pertaining to the financial statements is of great importance through which interpretation and analysis is made. It is through the process of financial analysis that the key performance indicators, such as, liquidity solvency, profitability as well as the efficiency of operations of a business entity may be ascertained, while short term and long term prospects of a business may be evaluated. Thus, identifying the weakness, the intent is to arrive at recommendations as well as forecasts for the future of a business entity.

Financial analysis focuses on the financial statements, as they are a disclosure of a financial performance of a business entity. "A Financial Statement is an organized collection of data according to logical and consistent accounting procedures. Its purpose is to convey an understanding of some financial aspects of a business firm. It may show assets position at a moment of time as in the case of balance sheet, or may reveal a series of activities over a given period of times, as in the case of an income statement."

Since there is recurring need to evaluate the past performance, present financial position, the position of liquidity and to assist in forecasting the future prospects of the organization, various financial statements are to be examined in order that the forecast on the earnings may be made and the progress of the company are ascertained.

The financial statements are: I*ncome statement, balance sheet, statement of earnings, statement of changes in financial position and the cash flow statement.* The income statement, having been termed as profit and loss account is the most useful financial statement to enlighten what has happened to the business between the specified time intervals while showing, revenues, expenses gains and losses. Balance sheet is a statement which shows the financial position of a business at certain point of time. The distinction between income statement and the balance sheet is that the former is for a period and the latter indicates the financial position on a particular date. However, on the basis of financial statements, the objective of financial analysis is to draw information to facilitate decision making, to evaluate the strength and the weakness of a business, to determine the earning capacity, to provide insights on liquidity, solvency and profitability and to decide the future prospects of a business entity.

There are various types of Financial analysis. They are briefly mentioned herein:

External analysis: The external analysis is done on the basis of published financial statements by those who do not have access to the accounting information, such as, stock holders, banks, creditors, and the general public.

Internal Analysis: This type of analysis is done by finance and accounting department. The objective of such analysis is to provide the information to the top management, while assisting in the decision making process.

Short term Analysis: It is concerned with the working capital analysis. It involves the analysis of both current assets and current liabilities, so that the cash position (liquidity) may be determined.

Horizontal Analysis: The comparative financial statements are an example of horizontal analysis, as it involves analysis of financial statements for a number of years. Horizontal analysis is also regarded as Dynamic Analysis.

Vertical Analysis: it is performed when financial ratios are to be calculated for one year only. It is also called as static analysis.

An assortment of techniques is employed in analyzing financial statements. They are: *Comparative Financial Statements, statement of changes in working capital, common size balance sheets and income statements, trend analysis and ratio analysis.*

Comparative Financial Statements: It is an important method of analysis which is used to make comparison between two financial statements. Being a technique of horizontal analysis and applicable to both financial statements, income statement and balance sheet, it provides meaningful information when compared to the similar data of prior periods. The comparative statement of income statements enables to review the operational performance and to draw conclusions, whereas the balance sheets, presenting a change in the financial position during the period, show the effects of operations on the assets and liabilities. Thus, the absolute change from one period to another may be determined.

Common Size Statements: The figures of financial statements are converted to percentages. It is performed by taking the total balance sheet as 100. The balance sheet items are expressed as the ratio of each asset to total assets and the ratio of each liability to total liabilities. Thus, it shows the relation of each component to the whole - Hence, the name common size.

Trend Analysis: It is an important tool of horizontal analysis. Under this analysis, ratios of different items of the financial statements for various periods are calculated and the comparison is made accordingly. The analysis over the prior years indicates the trend or direction. Trend analysis is a useful tool to know whether the financial health of a business entity is improving in the course of time or it is deteriorating.

Ratio Analysis: The most popular way to analyze the financial statements is computing ratios. It is an important and widely used tool of analysis of financial statements. While developing a meaningful relationship between the individual items or group of items of balance sheets and income statements, it highlights the key performance indicators, such as, *liquidity, solvency and profitability* of a business entity. The tool of ratio analysis performs in a way that it makes the process of comprehension of financial statements simpler, at the same time, it reveals a lot about the changes in the financial condition of a business entity.

It must be noted that Financial analysis is a continuous process being applicable to every business to evaluate its past performance and current financial position. It is useful in various situations to provide managers the information that is needed for critical decisions. The process of financial analysis provides the information about the ability of a business entity to earn income while sustaining both short term and long term growth. ❑

Financial Inclusion - Role of Indian Banks in Reaching Out to the Unbanked

– Er. Abhishek Bhatnagar
(Assistant Professor ,B.I.B.M)

Even after 69 years of independence, a large section of Indian population still remain unbanked. This malaise has led generation of financial instability and pauperism among the lower income group who do not have access to financial products and services. However, in the recent years the government and Reserve Bank of India has been pushing the concept and idea of financial inclusion.

"**Financial inclusion is the delivery of financial services at affordable costs to vast sections of disadvantaged and low income groups**"

Why Financial Inclusion in India is Important ?

The policy makers have been focusing on financial inclusion of Indian rural and semi-rural areas primarily for three most important pressing needs:

1. Creating a platform for inculcating the habit to save money– The lower income category has been living under the constant shadow of financial duress mainly because of the absence of savings. The absence of savings makes them a vulnerable lot. Presence of banking services and products aims to provide a critical tool to inculcate the habit to save. Capital formation in the country is also expected to be boosted once financial inclusion measures materialize, as people move away from traditional modes of parking their savings in land, buildings, bullion, etc.

2. Providing formal credit avenues– So far the unbanked population has been vulnerably dependent of informal channels of credit like family, friends and moneylenders. Availability of adequate and transparent credit from formal banking channels shall allow the entrepreneurial spirit of the masses to increase outputs and prosperity in the countryside. A classic example of what easy and affordable availability of credit can do for the poor is the micro-finance sector.

3. Plug gaps and leaks in public subsidies and welfare programmes– A considerable sum of money that is meant for the poorest of poor does not actually reach them. While this money meanders through large system of government bureaucracy much of it is widely believed to leak and is unable to reach the intended parties. Government is therefore, pushing for direct cash transfers to beneficiaries through their bank accounts rather than subsidizing products and making cash payments. This laudable effort is expected to reduce government's subsidy bill (as it shall save that part of the subsidy that is leaked) and provide relief only to the real beneficiaries. All these efforts require an efficient and affordable banking system that can reach out to all. Therefore, there has been a push for financial inclusion.

Why is financial inclusion needed in India? - (A Graphical Representation)

What are the steps taken by RBI to support financial inclusion?

A. Initiation of no-frills account – These accounts provide basic facilities of deposit and withdrawal to accountholders makes banking affordable by cutting down on extra frills that are no use for the lower section of the society. These accounts are expected to provide a low-cost mode to access bank accounts. RBI also eased KYC (Know Your customer) norms for opening of such accounts.

B. Banking service reaches homes through business correspondents – The banking systems have started to adopt the business correspondent mechanism to facilitate banking services in those areas where banks are unable to open brick and mortar branches for cost considerations. Business Correspondents provide affordability and easy accessibility to this unbanked population. Armed with suitable technology, the business correspondents help in taking the banks to the doorsteps of rural households.

C. EBT – Electronic Benefits Transfer – To plug the leakages that are present in transfer of payments through the various levels of bureaucracy, government has begun the procedure of transferring payment directly to accounts of the beneficiaries. This "human-less" transfer of payment is expected to provide better benefits and relief to the beneficiaries while reducing government's cost of transfer and monitoring. Once the benefits starts to accrue to the masses, those who remain unbanked shall start looking to enter the formal financial sector.

What more is to be done for financial inclusion?

Financial inclusion of the unbanked masses is a critical step that requires political will, bureaucratic support and dogged persuasion by RBI. It is expected to unleash the hugely untapped potential of the bottom of pyramid section of Indian economy. Perhaps, financial inclusion can begin the next revolution of growth and prosperity.

❑

ROLE OF STATISTICS IN OUR LIFE

– Anshika Kashyap

Assistant Professor, B.I.B.M.

WHAT IS STATISTICS ?

Statistics is the science and, arguably, also the art of learning from data. As a discipline it is concerned with the collection, analysis, and interpretation of data, as well as the effective communication and presentation of results relying on data. Statistics lies at the heart of the type of quantitative reasoning necessary for making important advances in the sciences, such as medicine and genetics, and for making important decisions in business and public policy.

Why Study Statistics?

From medical studies to research experiments, from satellites continuously orbiting the globe to ubiquitous social network sites like Facebook or LinkedIn, from polling organizations to United Nations observers, data are being collected everywhere and all the time. Knowledge in statistics provides you with the necessary tools and conceptual foundations in quantitative reasoning to extract information intelligently from this sea of data.

Why Statistics Is Important?

The Field of Statistics

The field of statistics is the science of learning from data. Statisticians offer essential insight in determining which data and conclusions are trustworthy. When statistical principles are correctly applied, statistical analyses tend to produce accurate results.

To produce conclusions that you can trust, statisticians must ensure that all stages are correct.

Statisticians know how to :

- Design studies that answers the question at hand
- Collect trustworthy data
- Analyze data appropriately
- Draw reliable conclusions

Importance of Statistics for Managers

Modern business management is more a Science than an Art. Ever increasing global competition mandates business managers to address uncertainty by using scientific methods and be Objective decision makers. Forecasting, planning, organizing and decision making; some of the key activities of a manager intend better future for the business. The only certainty about the future is its 'uncertainty'. Even though one cannot eliminate uncertainty, it is possible to measure uncertainty using Statistics: manager can make informed decisions by using Statistical methods and Statistical thinking. This calls for unraveling the power of Statistics for managers**.**

Applications of Statistics for Managers

Both Descriptive and Inferential statistical methods find important place in business management. To quote a few of the many applications across functions,

1. A Marketing manager needs to gather and analyze a large amount of data pertaining to market dynamics and target customers. Ideally, marketing strategy depends up on the outcomes of a Market research, which involves statistical methods for collecting and analyzing data, application of sampling techniques and evaluating the effect of various marketing strategies.

2. A production manager would ideally use Statistical Process Control techniques to improve productivity and quality. Knowledge and application of Control Charts, Sampling techniques and Probability Distributions ensures better processes and products. This also leads to the reduction in production cost and higher profits.

3. A HR manager would be interested in identifying the best approach to train employees and evaluate the impact of training. There is a need to measure attrition and understand the underlying factors.

4. For a Finance manager, crunching financial data and using financial techniques is an integral part of day-to-day job. Knowledge of Statistics enhances competency and proficiency of a manager as a researcher and therefore provides an edge.

In an era where Total Quality Management [TQM], Lean organization, Six-Sigma are some of the buzz words, it is essential for a manager to be conversant with Statistics.

OPPORTUNITIES FOR STATISTICIANS

Statisticians are in demand in all sectors of society, ranging from government, to business and industry, to universities and research labs. As a statistician you can be involved with the development of new lifesaving drugs in a pharmaceutical, the shaping of public policy in government, the planning of market strategy in business, or the management of investment portfolios in finance. Not only are there a wide variety of exciting opportunities for statisticians, but careers in statistics generally can be quite lucrative, with statisticians of sufficient experience often able to earn six-figure salaries.

TESTIMONIALS FROM RECENT STUDENTS

There are so many companies out there that need Statisticians. Because of my BA/MA in math/stats, I have found a job which I really love. Thank you BU Math/Stats department!

MathildeKaper
BA-MA Statistics, 2003

The skills I acquired through my coursework and class projects made me an attractive job candidate to a variety of organizations and helped me secure a great position at a local biotech company weeks after graduation.

HoxieAckerman
BA-MA Statistics

❑

Digital India : A Vision Towards, "Power to Empower"

–Sumit Srivastava
Sr. lecturer, BEI.

Introduction :

Digital India is a campaign launched by the Government of India to ensure that Government services are made available to citizens electronically by improved online infrastructure and by increasing Internet connectivity or by making the country digitally empowered in the field of technology.

It was launched on 1 July 2015 by Prime Minister Narendra Modi. The initiative includes plans to connect rural areas with high-speed internet networks. Digital India consists of three core components. These include:

- The creation of digital infrastructure
- Delivery of services digitally
- Digital literacy

Project -

Digital India was launched by the Prime Minister of India Shri. Narendra Modi on 1 July 2015 - with an objective of connecting rural areas with high-speed Internet networks and improving digital literacy. The vision of Digital India programme is inclusive growth in areas of electronic services, products, manufacturing and job opportunities etc and it is centered on three key areas – Digital Infrastructure as a Utility to Every Citizen, Governance & Services on Demand and Digital Empowerment of Citizens.

- The Government of India entity Bharat Broadband Network Limited which executes the National Optical Fiber Network project will be the custodian of Digital India (DI) project. BBNL had ordered United Telecoms Limited to connect 250,000 villages through GPON to ensure FTTH based broadband. This will provide the first basic setup to achieve towards Digital India and is expected to be completed by 2017.
- The government is planning to create 28,000 seats of BPOs in various states and set up at least one Common Service Centre in each of the gram Panchayat in the state.
- The 2016 Union budget of India announced 11 technology initiatives including the use data analytics to nab tax evaders, creating a substantial opportunity for IT companies to build out the systems that will be required. Digital Literacy mission will cover six crore rural households. It is planned to connect 550 farmer markets in the country through the use of technology.

Pillars -

The Government of India hopes to achieve growth on multiple fronts with the Digital India Programme. Specifically, the government aims to target nine 'Pillars of the Digital India' that they identify as being :

1. Universal access to Internet
2. Public Internet Access Programme
3. e-Governance – Reforming Government through Technology

4. e-Kranti - Electronic delivery of services
5. Information for All
6. Electronics Manufacturing
7. IT for Jobs

Services -

Some of the facilities which will be provided through this initiative are Digital Locker, e-education, e-health, e-sign and national scholarship portal. As the part of Digital India, Indian government planned to launch Botnet cleaning centers.

DigiLocker -

Digital Locker facility will help citizens to digitally store their important documents like PAN card, passport, mark sheets and degree certificates. Digital Locker will provide secure access to Government issued documents. It uses authenticity services provided by Aadhaar. It is aimed at eliminating the use of physical documents and enables sharing of verified electronic documents across government agencies. Three key stakeholders of DigiLocker are Citizen, Issuer and requester.

Attendance.gov.in

Attendance.gov.in is a website, launched by PM Narendra Modi on 1 July 2015 to keep a record of the attendance of Government employees on a real-time basis. This initiative started with implementation of a common Biometric Attendance System (BAS) in the central government offices located in Delhi.

MyGov.in

MyGov.in is a platform to share inputs and ideas on matters of policy and governance. It is a platform for citizen engagement in governance, through a "Discuss", "Do" and "Disseminate" approach.

SBM Mobile app

Swachh Bharat Mission (SBM) Mobile app is being used by people and Government organizations for achieving the goals of *Swachh Bharat* Mission.

eSign framework

eSign framework allows citizens to digitally sign a document online using Aadhaar authentication.

eHospital

The eHospital application provides important services such as online registration, payment of fees and appointment, online diagnostic reports, enquiring availability of blood online etc.

National Scholarship Portal

National Scholarship Portal is a one step solution for end to end scholarship process right from submission of student application, verification, sanction and disbursal to end beneficiary for all the scholarships provided by the Government of India.

Digital India Week -

At the launch ceremony of Digital India Week by Prime Minister Narendra Modi in Delhi on 1 July 2015,top CEOs from India and abroad committed to invest 224.5 lakh crore (US$3.3 trillion) towards this initiative. The CEOs said the investments would be utilities towards making smart phones and internet devices at an affordable price in India which would help generate jobs in India as well as reduce the cost of importing them from abroad.

Conclusion -

In this digital age, every civilian has a bright prospect to transform the lives in many ways that were hard to envision a couple of year ago. With the imminent of "Digital India"campaign, India will have a stout and powerful digital infrastructure.

❑

How do advertisements affect our daily lives?

– Dhananjay Singh
Asstt. Professor (BIBM)

"A Good advertisement is one which sells products without drawing attention itself"

Everywhere we go, we see advertisements and propaganda and we are clearly affected by those. We might not even know but every time we walk past an advertisement, our brains remember certain key points on that ad and will eventually affect our daily live. Actually ads do not have a positive effect our daily lives. They affect us greatly but in a negative way.

Advertising, from an economic standpoint, provides a service: it lets us know what we can spend our money on. Rather than going into the mental effects (for which I recommend referencing book like buy logy or power of habit) – I'm simply going to cover it in economic terms.

In the 1930's, the American economist Edward Chamberlin and British economist Joan Robinson pointed out that this sort of branding can make identical, or nearly identical goods seem different. (For example: Dove. Irish Spring, and lever 200 are all essentially just bars of soap –but the branding differentiates them.

If you understand the basic premise of supply and demand (economics) then you know that price is driven by the quantity of items in a market, and demand for them. So if you apply this diamonds- You would ASSUME that the price is high because the supply of diamonds is low, relative to the demand.

Diamonds aren't actually all that rare: the supply is restricted because mines are owned primarily by DeBeers. **DEMAND** is high primarily because these ideas are a part of our culture:

- A marriage proposal isn't real without a diamond ring
- The ring should cost 2 months' salary
- Diamonds are heirlooms that shouldn't be sold

These are ideas that originated in **Advertising,** paid for by DeBeers. So, this creates a sort of control-

Where DeBeers controls not only the supply of diamonds, but also the demand (generated through advertising).

This creates a consumption cycle like this :

Ads create a want > which is satisfied by buying a product > buying the product pays for more ads> which create a want> and so on and so forth.

Human beings, In general, have become specific toward their needs. We now, no more depend on others' suggestions. Advertising is enough to affect our decision process.

Every product which advertises is a brand for the consumer. Right from portraying one's style statement to expressing one's feelings, advertising has taken it all over. The taglines ***'meet he mien kyat hay' and 'her friend zaroori hota hai'***

can be read on on millions of users' status updates and can even be heard during family dinners or college functions, or even when a phone rings for that matter!

The influence is not just limited to purchasing the product or the brand. It has gone to a lever where the brand has become a part of our lives.

"Good Advertisement just not circulate information, it penetrates the public mind with desires and belief"

❑

Positive Thinking: makes our life a better place to live

–Nandini Arora

Assistant professor, BIBM.

POSITIVE THINKING is not always about the best to happen every time but, expecting that whatever happens is the best for this moment.

A positive attitude benefits not only our mental health, but our physical well-being as well. **Helen Keller** says, "When one door of happiness closes, another opens; but often we look so long at the closed door that we do not see the one which has been opened for us ". This is very true and most of us are victims of this. To make it clear let me share a simple but good story which I came across reminding us of the choice we have to think- **positive or negative**.

There was a boy who wasn't the brightest kid in school. He was a backbencher troubling the frontbencher, and eventually he failed in his 10th grade. But then in higher secondary, there were only three people who got first division in arts, and he was one of them. So this tells you, where you put your mind and heart into, and a positive thinking towards your life that where you go. Shiv Khera.

How to Think & Stay Positive?

"Having a positive mental attitude is asking how something can be done rather than saying it can't be done."

Bo Bennett.

Many people believe that positive thinking takes lots of effort. It is said that of the 65,000 plus thoughts that flip through our mind each day, 95% of them are the same ones we thought yesterday. Yes, 95%! Why in the world do we do that? The simple answer- most of us live in the past or the future, missing the only time that really counts and really that matters- the present. The fears that stop us from living our dreams are really expectation of bad experiences in the future. In other words, many of us take our past into the future and remain stuck in life. With little effort we can find ourselves to be positive thinkers. Positive thinking is actually very simple, here are a few ways we can

get started...and have a positive impact on all areas in our life:

1. Find the optimistic viewpoint in a negative situation.
2. Cultivate and live in a positive environment.
3. Go slowly.
4. Don't make a mountain out of a molehill.
5. Don't let vague fears hold you back from doing what you want.
6. Add value and positivity to someone else's life.
7. Exercise regularly and eat and sleep well.
8. Learn to take criticism in a healthy way.
9. If something still gets under your skin then know what to do.
10. Start your day in a positive way.
11. Mindfully move through your day.
12. Have a positive support group.
13. Express what you are grateful for.
14. Exercise your body and mind.
15. Accept your faults and find solutions.
16. Cherish the simple pleasures in our life.
17. Love ourselves
18. Spend our time on activities that bring us happiness.
19. Be around people who make us laugh.
20. Surround our life with positive people, don't allow negativity into our life.

Do include these ideas in life they will definitely work, and we all know what impact positive v/s negative thoughts can have in our life. If we convey a positive attitude towards others we will be surrounded by people who want to be around us and are positive themselves.

Have you heard of the old saying "he woke up on the wrong side of the bed?" We have all experienced this before ourselves, for some reason we wake up in a bad mood and our entire day seems to turn out bad. Did you know that we can change this?

Begin each day in a positive manner. Open the drapes to let the sun shine in, put on some of our favorite music, tell ourselves a positive thought or two...whatever it takes to start our positive thinking. We will be amazed at what these simple changes can bring to our life.

Well, just because these ideas are simple...does not mean they are easy. That is probably why everyone is not walking around with a positive attitude, because it takes work, desire, and discipline to live our life in this manner. It is easier being negative! The choice is ours, we have nobody to blame but ourselves, when deciding between positive v/s negative thoughts.

What are your thoughts now- **Positive or Negative?**

❑

HR-Analytics

–Dhananjay Pandey

Asst. Professor BIBM

HR-Analytics is the new spark in the present scenario especially useful in prediction and handling of productivity, human capital maximizing employee turnover, employee retention, and profitability's. It's **a purified form** of **Human Resource**, **Business intelligence** and **Information technology** and is based on the "**new trend new fact**" model which is associated with core personnel management trend affect the top layer decision support system present at the top of the hierarchy.

Analytics provides a clearer and precise gauge of worker talent compared to traditional evaluation approaches. This insightful measurement enables a business to act and recognize reward or success for reassessment.

"**No dimension of an enterprise is more important than people. It is the most decisive and, usually, the most expensive ingredient needed for success." beeline.com (2012)**

The human dimension is so critical to a business value; it is much less amenable to statistical understanding. It is a complex variable typically distilled to a blunt percentage on productivity, an important but relatively one-dimensional metric that is also a number assembled usually "after the fact," once a business process has already played out, and that means a limited opportunity for observation, refinement and improvement while a project is still in progress. In fact, according to the **worldwide employee relocation council (ERC) 2012**, more than 90 percent of companies in the US say they are already having a challenging time finding the best people.

A recent study investigated the effectiveness of business world of 15 or 20 years ago, an increase in activity might have meant at least a moderate increase in productivity. However, according to a study by The Boston Consulting Group (BCG), business complexity has increased between 50 percent and 350 percent over the last 15 years. The last thing a leader wants is a team spinning its wheels rapidly and getting nowhere—or even moving backward. Tim Sullivan (2011).

Evidence shows that Performance management is what you do every day. It is the heart and soul of managing people and it involves goal planning and tracking, performance assessment, ongoing coaching, and reward and recognition activities. Teams that focus on performance management have been shown to generate as much as 30 percent more revenue per full-time employee than average teams. As a line-of-business leader, you are the primary lever that can improve organizational performance. Through improved goal alignment and measurement, more proactive performance reviews, and improved compensation and reward management, you can dramatically impact your organization's bottom line.

Establishing, aligning, and communicating employee goals are the foundational tools of management, and yet recent surveys have revealed that only 29 percent of companies create individual goals aligned to the organization. A full 52 percent of midlevel managers and 74 percent of lower-level employees perceive the linkage between individual goals and corporate goals as very weak. Up to 50 percent of employee time is spent working toward nonstrategic objectives. Their study revealed that it is critical to effectively communicate, align, and translate company goals for a team to ensure that they are working on the highest-value activities. It's also essential that you and your fellow business leaders have real-time visibility into organizational goals, particularly in dynamic environments where those goals might change frequently. Advanced performance management solutions can enable this visibility while also providing insights and decision support tools to help you manage team and individual goal progress more effectively. Recent research indicates that, as a line-of-business leader, you play a crucial role in all stages of the goal-setting process, which is the foundation for effective performance management. Central to this process are tools that help your team understand its purpose and help you make better data-driven decisions regarding your talent and their goals.

A recent report summarizes that Talent has never been more critical to business performance; companies have never had a greater need to understand with precision what it takes to recruit, retain, and motivate employees. In its most recent annual survey of U.S. CEOs, PricewaterhouseCoopers (PwC) found more than 80 percent of respondents said that they needed talent-related insights to make business decisions. Yet most enterprises still base talent decisions on the intuition of hiring managers and HR professionals. Few can offer standardized, systematic evidence to support their hunches. Until recently, that is. For years now, finance and sales departments have used data to drive decisions, and more recently analytics have penetrated the supply chain and marketing functions. Now, finally, analytics are beginning to drive decisions about people. A growing number of corporate boards, CEOs, and CHROs understand that by applying data-driven tools to improve decisions about talent, they can improve revenues and profits. As a result, corporate leaders are embracing workforce analytics as essential strategic tools that can directly impact financial results.

References -

1. Tim Sullivan, "Embracing Complexity," *Harvard Business Review*, September 2011.
2. Mark E. Van Buren and Jon M. Werner "High Performance Work Systems" *Business and Economic Review*, October-November-December 1996.
3. Bersin & Associates, "High Impact Talent Management research" and "High Impact Performance Management Research," 2006 and 2007.
4. WorldatWork and Sibson Consulting, "The State of Performance Management," July 2007.
5. FranklinCovey, Executive Quotient Survey.
6. Harvard Business Review Analytic Services Report. (n.d.). Retrieved April 20, 2016, from http://www.verizonenterprise.com/resources/insights/hbr/

❑

सांख्यिकी के अध्ययन की रोजगार के क्षेत्र में उपयोगिता

–रमेश वर्मा

प्रवक्ता BIBM & BEI

सांख्यिकी आँकड़ों पर आधारित एक प्रायोगिक गणित है
अत्यधिक उपयोगिता के कारण इसे एक सम्पूर्ण विषय का दर्जा प्राप्त है
उसका विश्लेषण करने औ
निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए वै
इस्तेमाल करने की एक विधा है
स्टेटिस्टिक्स का मतलब होता है
इसीलिए इसे कभी-कभी गणना विज्ञान भी कहते है
इस अर्थ से यह स्पष्ट होता है
परिणाम को संख्याओं में दर्शाने का गणित है
सांख्यिकी विशेषज्ञ या गणितज्ञ किसी विशेष परिणाम को निकालने में प्रयोग करता है
कार्य भले ही सफलतापूर्वक हो जाय, लेकिन उसका परिणाम नहीं निकाला जा सकता है
की हमारे जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका है
जाय तो जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है
का प्रयोग नहीं किया जाता है अक्सर इसे हम अपने दै day today life) में जाने-अनजाने प्रयोग करते है
नहीं, यह पता करने के लिए हम उसका थोड़ा-सा भाग (sample) लेकर उसके पकने का अनुमान (Estimation) लगाते है
कुछ अनाज लेकर यह निर्णय (Decision) लेते है
इसे खरीदना है Sampling, Estimation औ Decision theory सांख्यिकी के बड़े अंग है
इस पर विचार किया जाय तो इसका कुछ विशेष क्षेत्रों में अत्यधिक महत्त्व है
अर्थशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, चिकित्सा विज्ञान, भू-विज्ञान, मनोविज्ञान, मार्केटिंग, खेल, फिल्म, डिजाइन, बीमा, विश्लेषण, शिक्षण, जनगणना, मतगणना, लोकसभा औ विधानसभा में पद निर्धारण का आकलन करना, लाभ-हानि, आय-व्यय के वित्तीय आँकड़े तै
सौ
उतार-चढ़ाव, मुद्रास्फीति, आकाशीय पिण्डों की गणना करना, परीक्षा परिणाम व मेरिट तै
बनाना, परमाणु परीक्षणों व नवीन यंत्र निर्माण के आँकड़े तै
व खिलाड़ियों के आँकड़ों को तै
ताप, भूकम्प आदि के आँकड़े तै
विश्लेषण करना आदि काम सम्मिलित किये जाते है जिससे भविष्य की सामान्य समस्याओं के निदान में भी मदद मिलती है
तै
से कुछ नया औ
जाते है
भाषा को समझकर उसे जनमानस को समझाकर आगाह करने का भी है
है
कहेंगे कि सांख्यिकी की समाज एवं राष्ट्र के विकास में इतनी आवश्यकता है Ministry of Statistics and Program Implementation के नाम से एक पूरा मंत्रालय बना रखा है

इन क्षेत्रों में कॅरियर बनाने के लिए आपका सांख्यिकी में स्नातक होना बहुत जरूरी है
के क्षेत्र में यदि आप पोस्ट ग्रेजुएशन एवं पी-एच.डी. करते है
सकता है
के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से बारहवीं कक्षा

उत्तीर्ण होना आवश्यक है
गणित की अनिवार्यता आवश्यक नहीं है
हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है
के लिए 5 प्रतिशत की छूट का प्रावधान है
पी-एच.डी. करने हेतु 55 प्रतिशत अंकों के साथ सांख्यिकी में परास्नातक अनिवार्य है
परास्नातक, एम.फिल. तथा पी-एच.डी. के अध्ययन हेतु देश के कुछ उच्च संस्थान इस प्रकार है

भारतीय सांख्यिकी संस्थान (ISI, Indian Statistical Institute : Kolkata, Delhi, Banglore, Chennai, Hyderabad, Mumbai)

भारतीय प्रौ IIT, Indian Institute of Technology)

भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (IASRI, Indian Agricultural Statistics Research Institute)

कलकत्ता विश्वविद्यालय, पूना विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, मुंबई विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय इत्यादि सांख्यिकी के अध्ययन हेतु उच्चकोटि के संस्थान है इसके अलावा लगभग हर विश्वविद्यालय एवं इससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में सांख्यिकी विषय पढ़ाया जाता है

सांख्यिकी में स्नातकों हेतु सरकारी तथा निजी क्षेत्रों में रोजगार की विभिन्न संभावनाएँ है
के नाम इस प्रकार है

Ministry of Statistics and Program Implementation के विभिन्न अंगों CSO, NSSO, Program Implementation, Administration के विभिन्न पदों, SSC, DES एवं विभिन्न प्रदेशों के लोक सेवा आयोग जै UPPSC)
के विभिन्न पदों जै
(Statistical Investigator), अन्वेषक-कम संगणक, सांख्यिकी सहायक (Statistical Assistant), सर्वेक्षण सहायक (Survey Assistant), वन विभाग के लिए सहायक संरक्षक, बीमा के क्षेत्र में सहायक सांख्यिकीय अन्वेषक, उद्योग क्षेत्र में Assistant Quality Executive, दवा बनाने वाली कम्पनियों में सहायक सांख्यिकीय विश्लेषक एवं अनेक अन्य पदों हेतु सांख्यिकी में स्नातक अभ्यर्थी अर्ह होते है
(IAS) हेतु भी एक विषय के रूप में सांख्यिकी का चयन किया जा सकता है

सांख्यिकी में परास्नातकों हेतु सरकारी तथा निजी क्षेत्रों में रोजगार की असीमित संभावनाएँ है
कुछ के नाम इस प्रकार है

सर्वप्रथम क्लास-I नौ
सांख्यिकी विषय में परास्नातकों हेतु अति महत्त्वपूर्ण है
(ISS)। इसमें प्रथम नियुक्ति विभिन्न विभागों के सहायक निदेशक (Assistant Director) के पद पर होती है औ Deputy Director, Director, Assistant Director General, Deputy Director General एवं Director General पदों तक होता है I नौ
ऑफ इण्डिया (RBI) में शोध अधिकारी (Research Officer), वन शोध संस्थान (Forest Research Institute) में शोध अधिकारी, SSC, NSSO, DES एवं विभिन्न प्रदेशों के लोक सेवा आयोग जै
प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) के विभिन्न पदों जै
(Satistical Officer), सर्वेक्षण अधिकारी (Survey Officer), वन विभाग में सांख्यिकी अधिकारी, कृषि विभाग में सांख्यिकी अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग में सांख्यिकी अधिकारी, व्यापार कर विभाग में मूल्यांकन अधिकारी, जनसंख्या अधिकारी, योजना आयोग में सांख्यिकी अधिकारी, बीमा के क्षेत्र में सांख्यिकीय विश्लेषक, उद्योग क्षेत्र में Quality Executive, दवा बनाने वाली कम्पनियों में सांख्यिकीय विश्लेषक तथा

अन्य निजी क्षेत्र की बड़ी कम्पनियों जै TCS (Tata Consultancy Services) में सांख्यिकीय विश्लेषक के रूप में तथा चिकित्सा विज्ञान में दी जाने वाली स्नातक एवं परास्नातक डिग्रियों जै MBBS, MD, MS इत्यादि के थेसिस के सांख्यिकीय विश्लेषक के रूप में एवं अनेक अन्य पदों हेतु सांख्यिकी में परास्नातक अभ्यर्थी हेतु रोजगार की प्रबल संभावनाएँ है

शिक्षा के क्षेत्र में भी सांख्यिकी विषय में नेट, एम. फिल. तथा पी-एच.डी. धारकों हेतु रोजगार की पर्याप्त सम्भावनाएँ है

विद्यालयों, उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं विभिन्न शोध संस्थानों में सांख्यिकी का शिक्षण कार्य एवं शोध होता है

विश्लेषक एवं सहायक प्रोफेसर का पद होता है

कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भी सांख्यिकी के शिक्षक के पद होते है

प्रबंध संस्थानों में भी ये पद होते है

कामर्स, शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, जीवविज्ञान, गृहविज्ञान इत्यादि विषयों में भी सांख्यिकी विषय के जानकार की आवश्यकता होती है

जी हाँ, गणित विषय का अध्ययन न करने वाले विद्यार्थी जै

विषय में पढ़ाए जाने वाले कुछ कोर्सेज में अध्ययन कर सकते है Biostatistics) में

परास्नातक, Diploma and Degree in Total Quality Management. ये सारे कोर्सेज लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा सुचारु रूप से चलाये जा रहे है

प्लेसमेण्ट है

सरकारी संस्थानों में एवं निजी क्षेत्रों में दवा बनाने वाली कम्पनियों में सांख्यिकीय विश्लेषक एवं उद्योग क्षेत्र में Quality Executive के रूप में प्रचुर मात्रा में लिये जाते है

सांख्यिकी विषय को एक Tool (औ

में विकसित किया गया है

प्रत्येक सै

मात्रा में प्रयोग किया जाता है

अध्ययन करने वाले व्यक्ति के लिए रोजगार की कोई समस्या है

❑

नोटबन्दी

—राम नायक वर्मा

प्रशासनिक अधिकारी, बी. जी. आई.

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई दामोदर मोदी जी ने 8 नवम्बर 2016 दिन मंगलवार को रात्रि 08 बजे राष्ट्र के नाम सम्बोधन में अचानक 500 एवं 1,000 रुपये के नोटों का चलन बन्द करने की घोषणा किया तथा जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 30 दिसम्बर 2016 तक कुछ प्रतिबन्धों के साथ नोटों को बै

करने का समय निर्धारित कर दिया। जिसके अनुसार प्रतिदिन ए. टी. एम. से 2,000 रुपये तथा बै

निकासी की सीमा 8,000 रुपये प्रतिदिन, सप्ताह में अधिकतम 24,000 रुपये की गयी। शुरुआती दौ

जनता को काफी कठिनाइयों का सामना जै

लाइन में लगना तथा विवाह आदि संस्कारों में कठिनाई, यहाँ तक कि कुछ लोगों की जान तक चली गयी औ

नेता लोग अपनी वोट की राजनीति करते रहे किन्तु जनता की सुधि लेने वाला कोई नहीं था। सिर्फ नेता अपने वोट बै

के मुख्यमंत्री ने अपने प्रदेश में जनता की समस्याओं को कम करने के लिए कदम नहीं उठाया जै

भी बै
व निकासी-जमा सही ढंग से हो रही है
चिन्ता किसी भी मुख्यमन्त्री या राजनेता को नहीं थी कि किस प्रकार से नोटबन्दी या कालेधन पर नियंत्रण रखा जाय। इन बातों पर किसी बड़े पदाधिकारियों का कोई सुझाव नहीं आया, न तो मीडिया द्वारा प्रसारित किया गया औ
आयी।

क्योंकि उनके लिए राजभवन में अलग ही ए.टी. एम. था जिससे सिर्फ राजनेता ही पै
सिर्फ दिखावे के लिए राहुल गाँधी जी लाइन में लगे औ
जबकि जनता त्राहि-त्राहि मचा रही थी लेकिन उसकी सुनने वाला कोई नहीं था। जबकि केन्द्र सरकार ने आश्वासन दिया था कि 31 दिसम्बर 2016 के बाद सब कुछ सामान्य हो जायेगा औ
सीमा 2,500 से 10,000 रु. प्रतिदिन कर दी गयी है जिसके पास पुरानी नोट है
बै
प्रधानमंत्री जी का भारतवर्ष के सभी नागरिक से अनुरोध है
बढ़ाने में सहयोग करें।

(अ) कै

1. सिर्फ ए. टी. एम. कार्ड या ट्रांसफर के द्वारा हर काम को करने में आसानी।
2. चोरी-झपटी या लूटपाट से निजात।
3. किसी प्रकार की चिन्ता के बिना एक स्थान से दूसरे स्थान पर धन ले जाने की सुविधा।
4. जब भी बाजार करना हो तो आसान तरीके से काम पूरा। कम या ज्यादा पै
   नहीं।
5. जान माल की सुरक्षा।

(ब) कै

1. पूरी आय का विवरण बै
   इनकम टै
2. इनकम टै
3. सभी बै
   की निगरानी में।
4. आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं छिपाया जा सकता है
5. पूरे वर्ष की आय-व्यय का सही तरीके से बै के खाते में अंकित होना।
6. किसी भी प्रकार के आय-व्यय को छुपाना नामुमकिन।
7. उधार लेना-देना बन्द, किसी भी आदमी की मदद नहीं करना, क्योंकि आय-व्यय का हिसाब कै
   छूट नहीं, कमजोर व्यक्ति को बै
   के अलावा कोई रास्ता नहीं होगा।
8. आपस में दुश्मनी कम होना। ज्यादातर उधार लेन-देन में ही झगड़ा व कत्ल होता है

नोट– माननीय प्रधानमंत्री द्वारा बनायी गयी इन नीतियों में कुछ कमी है
इनकम में वृद्धि होगी औ
को छिपा नहीं सकता। सबका लेखा-जोखा सरकार के पास, आप मेहनत करें औ
नीतियों के द्वारा आम जनता का लाभ ज्यादा, नुकसान कम। इससे पूँजीपतियों औ
हिसाब पक्का, चूँकि किसी भी प्रकार का आय-व्यय, खरीदने-बेंचने का पूरा हिसाब-किताब सरकार को दिखाना पड़ेगा। यही सरकार की नीति है

❑

फार्मेसी-विभाग

विद्यार्थी जीवन

—अजय कुमार तिवारी
D. Pharm. (Ist Year)

विद्यार्थी जीवन किसी भी व्यक्ति के जीवन का महत्त्वपूर्ण समय होता है
भविष्य निर्धारित करता है
करने वाले विद्यार्थी अपने शेष जीवन को आरामदायक औ
कार्यों में नष्ट करने वाले विद्यार्थी अपने भविष्य को अंधकारमय बना लेते है
के चरित्र की नींव पड़ जाती है
जीवन में बहुत सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत होती है
खेल-कूद औ
चाहिए। उन्हें परिश्रमी औ
इस समय को सफलता का मूलमंत्र मानना चाहिए। उन्हें हर प्रकार की बुरी संगति से बचना चाहिए। उन्हें नम्र बनकर विद्या ग्रहण करने का प्रयास करना चाहिए।

उपर्युक्त बातों को ध्यान में रखकर विद्यार्थी जीवन को सफल बनाया जा सकता है

❑

गजल

आज की हालत

—निर्भय सिंह
D. Pharm. (Ist Year)

हर एक आदमी बहुत से किरदार लिये फिरता है
हर दौ

सच बोलने वाला शख्स लोगों को बुरा लगता है
झूठा शख्स तारीफों की भरमार लिये फिरता है

कुछ पढ़कर सुना दे वो तो सब गमगीन हो जायें,
वो शख्स यारों हाथ में अखबार लिये फिरता है

किसी ने कहा था उससे कि दौ
अब तो ईमान बेचने का इश्तिहार लिये फिरता है

ये बेरोजगारी देखकर मेरे भीतर से कहता है
कि 'निर्भय' तू तो डिग्रियाँ बेकार लिये फिरता है

❖❖❖

बेटी

—राहुल शर्मा
D. Pharm. (Ist Year)

घर की सब चहल-पहल है
जीवन में खिला कमल है
कभी धूप-सी गुनगुनी सुहानी,
कभी चन्दा-सी शीतल है

शिक्षा, गुण संस्कार रोप दो,
फिर बेटों-सी सबल है
सहारा दो गर विश्वास का,
तो पावन गंगाजल है

प्रकृति के सद्गुण से सींचो,
तो प्रकृति-सी निश्छल है
क्यों डरते हो पै
अरे आने वाला कल है

बेटी बचाओ.....बेटी पढ़ाओ.....

❖❖❖

कविता

—विशाल मिश्र
D. Pharm. (Ist Year)

अभी न पूछो हमसे मंजिल कहाँ है
अभी तो हमने चलने का इरादा किया है
न हारे है
ये किसी औ

जिन्दगी गुजर जाती है
औ
न उजाड़ ए-खुदा किसी के आशियाने को,
वक्त बहुत लगता है

❖❖❖

बेटी बचाओ

—अमित कुमार
D. Pharm. (Ist Year)

कभी बेटी, कभी बहन, कभी पत्नी तो कभी माँ है
पुरुष जिसके बिना असहाय है
कभी ममता की फुलवारी, तो कभी राखी की क्यारी है
सृष्टि जिसके बिना थम जाए, ऐसी है
पुरुषों की पूरी भीड़ पर अकेली भारी है
जो सृष्टि को जलाकर राख कर दे, ऐसी चिंगारी है

बेटी हो तो..... पिता की राजदुलारी है
माँ हो तो ..... संतान पर हमेशा भारी है
बहन हो तो..... भाई की लाडली है
पत्नी हो तो..... पति की जान है
सृष्टि जिस पर घूम रही है
जब गर्भ में नहीं मारोगे तभी तो तुम्हारी है
जब नारी है

❑❑

जीवन की सच्चाई

—हेमन्त कुमार
D. Pharm. (IInd Year)

किसी ने पूछा नींद औ
क्या फर्क है
किसी ने क्या सुन्दर-सा जवाब दिया....
नींद आधी मौ
औ
जिन्दगी तो अपने ही तरीके से चलती है
औ
सुबह होती है
उम्र यूँही तमाम होती है
कोई रोकर दिल बहलाता है
औ
क्या करामात है
जिन्दा इन्सान पानी में डूबता है
औ
बस ये कन्डक्टर-सी हो गयी है
सफर भी रोज का है
औ
हर सवाल का जवाब मै
औ
छत ने कहा ऊँची सोच रखो....
पंखे ने कहा ठंडे से रहो.....
घड़ी ने कहा हर मिनट कीमती है
शीशे ने कहा कुछ करने से पहले.....
अपने अन्दर झाँक लो,
खिड़की ने कहा दुनिया को देख लो.....

❑❑

धरती माता

—प्रदीप कुमार पाल
D. Pharm. (IInd Year)

धरती हमारी माता है
माता को प्रणाम करो
बनी रहे इसकी सुन्दरता
ऐसा भी कुछ काम करो
आओ हम सब मिल-जुल कर
इस धरती को स्वर्ग बना दें
देकर सुन्दर रूप धरा को
कुरूपता को दूर भगा दें
नै
गंदगी फै
माँ को न बदनाम करें,
माँ है
हम इसके क्यों बने है
जन्मभूमि है
बन जायँ इसके सब रक्षक
कुदरत ने जो दिया धरा को
उसका सब सम्मान करो।

अपील— विश्व धरा दिवस के अवसर पर आओ हम सब धरती को सुन्दर बनाने में सहयोग दें। अपनी धरती की सुन्दरता को बनाए रखना हमारा नै

❑

संघर्ष ही जीवन है

—ममता शर्मा
D. Pharm. (IInd Year)

"जीवन एक संघर्ष है
व्यक्ति को करना होता है
मुसीबतों से भागना, नयी मुसीबतों को निमंत्रण देने के समान है
जीवन में समय-समय पर चुनौ
का सामना करना पड़ता है
Speaking in English—
" A smooth sea never made a skillful meriner"
डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है
जा-जा कर खाली हाथ लौ
मिलते नहीं मोती सहज ही गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह उसी है
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती,

असफलता एक चुनौ
क्या कमी रह गयी, देखो औ
जब न सफल हो, नींद चै
संघर्ष का मै
कुछ किये बिना ही, जय-जयकार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की, कभी हार नहीं होती॥

❑❑

आ मुश्किलें तू आ

–अभिषेक कुमार सिंह
डी. फार्म. द्वितीय वर्ष

आ मुश्किलें तू आ, सर पे काँटों के ताज सजा,
तेरे घावों में इतना दम कहाँ, जो मानूँ हारऔ

मंजिल की राहों में धुआँ, पावों में छालों के निशाँ
चोट लगी जज्बे को मेरे, गिर उठ के जब मै
गुम हुआ हर ख्वाब मेरा, फिर भी तूफान न थमा,
तकदीर मेरी मुझसे खफा, लकीरों को दिया मिटा,

छीन लो मेरी जिस्मो-जाँ, छीन न पाओगे मेरी मुस्कान,
दर्द उठ-उठ के है
लाओ बेड़ियाँ पर ख्वाबों को रोके ऐसा पिंजरा बना है

अरे आ मुश्किलें तू आ अपनों की नफरत मुझको दिखा,
दुश्मनों की एक फौ

लगा अपनी पूरी ताकत, छीन ले किस्मत, मुझे औ
तेरी चुनौ

तोड़ दे फोड़ दे मरोड़ दे, बाजुओं के दम को मेरे निचोड़ दे,
बस जिगर है उसको तू छोड़ दे।

अँधेरे से न डरा आँखों पे पट्टी बाँध के चलता हूँ मै
पत्थर न फेंक मुझपे चट्टानों से रोज झगड़ता हूँ मै

अरे आ मुश्किलें तू आ, सर पे काँटों के ताज सजा,
तेरे घावों में इतना दम कहाँ, जो मानूँ हार औ दूँ झुका।।

❑❑

रिश्ते

—मोहित वर्मा
D. Pharm. (IInd Year)

साहिलों पर बै
आती जाती लहरों में जिन्दगी पढ़ा करते है
कुछ लहरें आकर पत्थर को भी निर्मल कर जाती है
कुछ तीव्र वेग लहरें कई ख्वाब बहाकर ले जाती है
यूँ ही इन लहरों का आना-जाना लगा रहता है
कुछ ऐसे ही रिश्तों का ताना-बाना बना रहता है
कुछ रिश्ते मोती बन दिल को रोशन कर जाते है
कुछ चंद पल की चमक के साथ कहीं खो जाते है
लहरों से ही इस समन्दर की अपनी हस्ती है
औ

❑❑

ऐ बचपन वापस लौ

—मोहित वर्मा
D. Pharm. (IInd Year)

ऐ बचपन वापस लौ
फिर से आखों में वो सपने सजा जा,
अब भी आखों में वो सपने है
बीते पलों की याद में है
अश्कों की धारों से पल-पल है
ऐ बचपन वापस लौ

बचपन के वो पल कितने सुनहरे थे,
तब हर रिश्तों के रंग गहरे थे,
हर साथी अपने एक मुकाम में ठहरे थे
हम पर सिर्फ प्यार औ
अब बदल गयी है
सिर्फ एक फरियाद करती है
ऐ बचपन वापस लौ

❑❑

माता-पिता की मोहब्बत

—सलमान अली
D. Pharm. (IInd Year)

आजकल लोग अपने माता-पिता का आदर नहीं करते है
बेटी अपने पिता से नफरत करती है
अपनी कोख में तुम्हें रखकर अपने खून से सींच कर हरा-भरा किया। आज वही बेटा जब बड़ा होता है
अपने माता-पिता को आँख दिखाता है
नौ दोस्तों को माँ की मोहब्बत एक कहानी के जरिये बताऊँगा।

एक चौ
कि माँ मुझे मेरे चौ
तो माँ ने कहा जब तेरा चौ
के ऊपर देख लेना उसमें तेरा उपहार रहेगा। अभी बता दूँगी तो उपहार का मजा नहीं आयेगा। कुछ दिन बाद वह लड़का बीमार हो गया। उसके माता-पिता उसको अस्पताल ले गये। जाँच के बाद डाक्टर ने लड़के के माता-पिता से कहा कि इसके दिल में छेद है
महीने से ज्यादा नहीं जी पायेगा। लड़के के माता-पिता बहुत दुखी हुए, क्योंकि वह उनका अकेला लाडला बेटा था। दो साल बाद लड़का ठीक होकर घर गया तो उसको पता चला कि माँ नहीं रही। उसे ये पता चलते ही उसने आलमारी खोला औ
हुआ है
चिट्ठी थी, उस चिट्ठी में लिखा तथा कि मेरे जिगर के टुकड़े अगर तू ये चिट्ठी पढ़ रहा है
होगा। तुझे याद होगा कि जब तू बीमार हुआ था तब हम तुझे अस्पताल ले गये थे। डाक्टर ने कहा कि तेरे दिल में छेद है
मै ने एक दिन
कहा था कि माँ मुझे चौ वें साल जन्मदिन पर क्या उपहार दोगी, तो बेटा मै
उसको हमेशा सम्भाल कर रखना।

दोस्तों एक माँ इसलिए मर गयी, क्योंकि उसका बेटा जी सके। एक हम लोग है
का ख्याल नहीं करते है
किसी का दिल नहीं, माँ के दिल जै
दिल नहीं। हमें अपने माता-पिता का ख्याल रखना चाहिए। हमेशा उनके बुढ़ापे की लाठी बनाना चाहिए। कभी अपने माता-पिता का दिल नहीं दुखाना चाहिए। ❑

निर्भय पथ पर बढ़ने वाले

—आकाश गौ
डी. फार्म (द्वितीय वर्ष)

निर्भय पथ पर बढ़ने वाले,
अपनी मंजिल पाते।
सुख हो या दुख में, रहते हँसते गाते
अपनी मंजिल पाते।।
जो दुनिया से टकराते वो
कभी नहीं घबराते।
आयें कितनी भी बाधाएँ
आगे बढ़ते जाते।।
आगे बढ़ना सरल नहीं है
यह तो निश्चित जानें।
लेकिन मानव ही मानव की
ताकत को पहचाने।।
आगे बढ़ने वाले जन ही
जग में नाम कमाते।
जीवन का सच्चा सुख पाते
अजर अमर हो जाते।।
निर्भय पथ पर बढ़ने वाले
अपनी मंजिल पाते।
❑❑

शिक्षक

—भूपेन्द्र यादव
D. Pharm. (IInd Year)

माताएँ देतीं नव जीवन
पिता सुरक्षा करते है
लेकिन सच्ची मानवता
शिक्षक जीवन में भरते है

सत्य न्याय के पथ पर चलना
शिक्षक हमें बताते है
जीवन संघर्षों से लड़ना
शिक्षक हमें सिखाते है

ज्ञानदीप की ज्योति जलाकर
मन आलोकित करते है
विद्या का धन देकर शिक्षक
जीवन सुख से भरते है

शिक्षक ईश्वर से बढ़ कर है
यह कबीर बतलाते है
क्योंकि शिक्षक ही भक्तों को
ईश्वर तक पहुँचाते है

जीवन में कुछ पाना है
शिक्षक का सम्मान करो
शीश झुका कर श्रद्धा से तुम
बच्चों उन्हें प्रणाम करो।

❑❑

वो सिर्फ माँ है

—आशीष पटेल
D. Pharm. (IInd Year)

जो रखती है
सहती है
पिलाती है
सींचती है
लहू पिलाकर
वो सिर्फ माँ है
जो छिपाती है
उतारती है
दुलारती है
सहती है
न करती शिकवा
वो सिर्फ माँ है
जो रखकर खुद फाँका डालती है
अपनी औ
आज भूख नहीं है
वो सिर्फ माँ है
सहती है
रोती है
फिर भी सुबह हँस कर देती है
बिना कोई शिकवा किये, वो तो सिर्फ माँ है
बन जाती है
हर परेशानी छीन लेती है
हर मुसीबत को अपनी
औ
झुक जाते है
वो सिर्फ माँ है

❑❑

Amazing Facts About the Human Body

–Firdaus Shaikh
D. Pharm First Year

1. The number of bacteria in a person's mouth is equal to the number of people living on Earth, or even more.
2. A human eye can distinguish upto 10 million different colours. But our brain can not remember all of them.
3. The total length of all the nerves in the human body is 75 Kms.
4. Boys have fewer taste buds on the surface of their tongues than girls do.
5. About 1,00,000 chemical reactions occur every second in our brains.
6. Over the course of just one day, our blood runs the distance of 19,312 Kms.
7. A single hair can hold the weight of a hanging apple.
8. The largest bone in the human body is the femur. It can support 30 times the weight of the person's body.
9. A human's ears and nose never stop growing.
10. Like fingerprints, each human tongue has its own unique print.
11. Humans spend about five years of their lives eating.
12. For an adult human, taking just one step uses upto 200 muscles.

❑❑

The Strong Women

–Rohit Yadav
D. Pharm Final Year

You can tell,
Who the strong
Women are, They
Are ones You See
Building one Another
UP Instead of Tearing
Each other Down.

I'd rather struggle every
day of my life than to ever
give a man the power to
Say you wouldn't have
that if It was n't for me.

A successful woman
is one who can build
A firm foundation
with the bricks others
Have thrown at her.

❑❑

Interview Jokes

–Mamta Sharma
D. Pharm Final Year

Officer : What is Your name?
Candidate : M. P. Sir
Officer : Tell me Properly.
Candidate : Mohan Pal Sir
Officer : Your's Father's name
Candidate : M. P. Sir
Officer : What does that mean?
Candidate : Mannohar Pal Sir
Officer : Your Native Place.
Candidate : M. P. Sir
Officer : Is it Madhya Pradesh?
Candidate : No, Mani Pur Sir.
Officer : What is your Qualification?
Candidate : M. P. Sir
Officer : (Angrily) What is it?
Candidate : Matric Pass
Officer : Why do you need a Job?
Candidate : M. P. Sir
Officer : And what does that mean?
Candidate : Money Problem Sir
Candidate : My Performance ?
Officer : M. P. !!!
Candidate : What is that Sir?
Officer : Mentally Punctured.
Candidate : ..... (My Pleasure).

❑❑

Meaning of Being A Teacher

–Gayatri Maurya
D. Pharm IInd Year

The word 'Teacher' comes in mind with lot of respect and a person with qualities like honesty, knowledge, punctuality and discipline. Thus teacher becomes the first role model of student. Therefore teacher has very important role in educational process and is vital components of school administration. No system of education can use higher than its teacher. The way to child centered education can only be through teacher centred school.

The Mudaliar Report stated that, "We are convinced that the important factor in the contemplated educational reconstruction is the teacher his personal qualities, his educational qualification, his professional training and the place that he occupies in the school as well as in the community".

To be a good teacher one must have the following characteristics—

T = Truth, thoughtful, Technical, Talent.
E = Expressive, Efficiency, Effective.
A = Active, Alertness, Attractive, Aware.
C = Character, Culture, Confident, Counsellor.
H = Hardwork, Honesty, Helping, Hopeful.
E = Energetic, Experimenter, Emotionally balanced.
R = Relationship, Respect, Reader, Responsible.

असफलता सफलता से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है

—प्रियंका राय
डी. फार्म द्वितीय वर्ष

सभी के जीवन में एक ऐसा समय आता है
सभी चीजें उसके विरोध में होने लगती है
एक प्रोग्रामर है
पर खड़े होते है
है
रिजेक्ट कर दिया हो, या आपका कोई फै
है
मायने में, विफलता सफलता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण होती है
औ
पहले लगातार कई बार असफल हुए है
करते है
लेकिन अगर आप इस वजह से प्रयास करना छोड़ देंगे तो कभी सफल नहीं हो सकते। हेनरी फोर्ड, जो बिलिनेअर जै
मालिक हुए। सफल बनने से पहले फोर्ड पाँच अन्य बिजनेस में फेल हुए थे। कोई औ
अलग-अलग बिजनेस में फेल होने औ
के कारण टूट जाता। लेकिन फोर्ड ने प्रयास करना बन्द नहीं किया औ
के मालिक हुए। अगर विफलता की बात करें तो थॉमस अल्वा एडीसन का नाम सबसे पहले आता है
बल्ब बनाने से पहले उन्होंने लगभग 1000 विफल प्रयोग किये थे। अल्बर्ट आइन्स्टाइन जो 4 साल की उम्र तक कुछ बोल नहीं पाता था औ
तक निरक्षर था। लोग उसको दिमागी रूप से कमजोर मानते थे लेकिन अपनी थ्यौ
पर वह दुनिया का सबसे बड़ा साइंटिस्ट बना। अब जरा सोचिये कि अगर हेनरी फोर्ड पाँच बिजनेस में फेल होने के बाद निराश होकर बै
999 असफल प्रयोग के बाद उम्मीद छोड़ देता औ
आइन्स्टाइन भी खुद को दिमागी कमजोर मान के बै
जाता तो क्या होता? हम बहुत सारी महान् प्रतिभाओं औ
असफलता सफलता से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है

❑

हार नहीं होती

—गायत्री मौ
डी. फार्म द्वितीय वर्ष

लहरों से टकराकर नौ होती।
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती॥
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है
चढ़ती दीवारों पर सौ
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती॥
असफलता एक चुनौ
क्या कमी रह गयी देखो औ
जब तक न हो सफल, नींद चै
संघर्षों का मै ॥
कुछ किये बिना ही जय-जयकार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती॥

❑

जाना पहचाना साथी

—आशीष पटेल
डी. फार्म द्वितीय वर्ष

वो खुशियों की डगर, वो राहों में हमसफर
वो साथी था जाना-पहचाना
दिल है
गम तो कई उसने भी देखे,
पर राहों में चले खुशियों को लेकर
दिल चाहता है
पर इस राह में कई काले बादल है
मेरे आँसुओं को था जो भाया,
मुझसे ज्यादा मुझको पहचाना
बनकर आया था जीवन में उजियारा
गिन-गिनकर तारे भी गिन जाऊँ,
पर उसकी यादों को भुला न पाऊँ।
कहता था अक्सर वो हर दिन है
हर राह में खुशियों का तराना।
कहता है
अपनी यादों में न बसाना
दोस्ती एक आइना है
दोस्ती सिर्फ शब्द नहीं जिसका मै
दोस्ती कोई चीज नहीं जिसे मै

❑❑

जिन्दगी के साथ समझौ

—आशीष पटेल
डी. फार्म द्वितीय वर्ष

जिंदगी तुझसे हर कदम पर समझौ
शौ
तो फिर क्यों न तुझे चाशनी में डुबाकर मजा ले ही लिया जाय
गम बढ़े आते है
तुम छिपा लो मुझे, ऐ दोस्त, गुनाहों की तरह
अपनी नजरों में गुनाहगार न होते, क्यों कर
दिल ही दुश्मन है
जिनकी खातिर कभी इल्जाम उठाये,
वो भी पेश आये इंसाफ के शाहों की तरह

❑❑

शिक्षक-प्रशिक्षण-अनुभाग

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा की आन्तरिक चुनौ

—अवनीश शुक्ल
प्रवक्ता, बी.एड् एवं बी.टी.सी.

नक्सलवाद, गुरिल्लायुद्ध, आतंकवादी गतिविधियाँ ये वे घटनाएँ है
में भारत की आन्तरिक राष्ट्रीय सुरक्षा को गम्भीर चुनौ
रही है
के बाद भारत को पाकिस्तान के साथ 1965, 1971 तथा 1999 (कारगिल संघर्ष) औ
तमाम सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है
का अभ्युदय तथा 1971 में पोखरण परीक्षण के बाद भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बाहरी देशों से कोई उतनी अधिक चुनौ
खतरे की चुनौ

भारत को आन्तरिक खतरे की चुनौ
स्वतंत्र होने के बाद से ही प्रारम्भ हो गयी थी, जब बँटवारे के समय हजारों लोग काल के गाल में समा गये थे। पाँचवें दशक के प्रारम्भ में नागालै
तत्पश्चात् मणिपुर तथा असम, त्रिपुरा में आन्तरिक सुरक्षा अधिक चुनौ
में क्षेत्रीय विवाद, भाषाई हिंसा व जातीय विवाद के कारक अधिक प्रभावी थे, किन्तु इन विवादों में विदेशी शक्तियों का हाथ होने से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस तरह से संगठित रूप से हिंसाएँ हो रही थीं उससे स्पष्ट था कि इनको कोई न कोई शक्ति जरूर शस्त्र, धन व प्रशिक्षण उपलब्ध करवाकर भारत की राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को छिन-भिन्न करने की कुटिल चाल चल रही है

जै
सुरक्षा की चुनौ
में जम्मू व कश्मीर में, पूर्वोत्तर के राज्यों में तथा छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड में उग्रवाद-नक्सलवाद की घटनाओं में बेहहाशा वृद्धि देखने को मिलने लगी। जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हो गयी तथा यह राज्य अस्थिर व अशान्त हो गया जिसके कारण भारत को काफी दिक्कतें होने लगीं।

वर्तमान समय में भारत के आन्तरिक भागों में जितनी भी आंतकवादी घटनाएँ घट रही है
घुसपै
के कुछ माह पूर्व पंजाब प्रान्त के पठानकोट एयरबेस तथा जम्मू-कश्मीर राज्य में उड़ी बेस कै
आतंकवादी हमला हुआ। सेना के इन दोनों ठिकानों पर हुए हमलों में तमाम निर्दोष सै
गयीं। इन दोनों ही घटनाओं में बाहरी घुसपै
होने के स्पष्ट प्रमाण है
घुल-मिल गये है
समय आ गया है
जाये। हमें ऐसा सिस्टम अपनाना ही होगा जो इनकी पहचान कर सके।

देश की सुरक्षा का उत्तरदायित्व भारतीय संसद का है
राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जवाबदेह होता है
चुनाव लोकसभा के सांसद करते है
भारतीय मतदाताओं द्वारा चुने जाते है
अप्रत्यक्ष रूप से हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी की जवाबदेही इन्हीं पर है
जिनमें खुद सांसदों को न्यायालय दण्डित कर चुका है
ऐसी परिस्थिति में आवश्यकता इस बात की है

तंत्र बनाया जाय जिससे केवल जो मूलरूप से भारतीय है
में नक्सली एवं आतंकवादियों द्वारा स्वच्छ एवं निष्पक्ष मतदान का बहिष्कार किया जाता है
व्यक्ति के पास मतदाता पहचान पत्र नहीं होना चाहिए जो आतंकवादी, नक्सली/उग्रवादी गतिविधियों में लिप्त हैं
सुरक्षा के लिए गम्भीर चुनौ

हमारे देश के लिए जो संविधान बनाया गया है उसका आज भी प्रत्येक भारतीय आदर एवं सम्मान करता है
सभी कोनों तक सभी जातियों, भाषा, धर्मों के लोग परस्पर झगड़े की स्थिति में संविधान का ही हवाला देते है
बहुलतावादी समाज को एक सूत्र में पिरोने में सफल रहा है
औ
इतना सब होने के बावजूद भारत में गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी जै
वर्ग नशाखोरी, तस्करी जै
शामिल कर रहा है
मिल पा रहा है
जो कश्मीर में लश्कर का कमाण्डर था उसको भारतीय सेना ने मार गिराया, जिसके फलस्वरूप जम्मू-कश्मीर प्रान्त में काफी विरोध हुआ तथा आंतरिक सुरक्षा को काफी क्षति हुई।

किसी भी राष्ट्र के निर्माण में लोकतंत्र, स्वतंत्रता एवं सर्वधर्म समभाव बहुत आवश्यक है
किसी एक की कमी है
के अस्तित्व को चुनौ
अप्रत्यक्ष रूप से हमारी आंतरिक सुरक्षा को ही चुनौ देती है
मानवाधिकार, अहिंसा, समृद्ध सांस्कृतिक विविधता प्रमुख आधार है
में शान्ति की स्थापना लोकतंत्र का प्रमुख लक्ष्य होता है
21वीं शताब्दी में भारत के आन्तरिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है
में सुधार के साथ-साथ प्रशासनिक सुधारों की ओर भी ध्यान दिया जाय, लेकिन सबसे पहले व्यवस्थागत सुधार होने चाहिए जिसमें दलीय व्यवस्था औ निर्वाचन-व्यवस्था में सुधार मुख्य है

❑

माँ

—आलोक कुमार सिंह
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

लाखों दुखड़े सहती है
फिर भी कुछ न कहती है
हमारा बेटा फले औ
यही तो मंतर पढ़ती है
हमारे कपड़े कलम औ
बड़े जतन से रखती है
बना रहे घर बटे न आँगन,
इसलिए सबकी सहती है
रहे सलामत चिराग घर का,
यही दुआ बस करती है
बढ़े उदासी जब मेरे मन की,
बहुत याद में रहती है
नजर का काँटा कहते है
जिगर का टुकड़ा कहती है
आलोक मेरे हृदय में,
हर पल साथ रहती है

❑❑

शिक्षक औ

–राजन शर्मा
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

अध्यापक जनतन्त्र की नींव है
है
प्रयासों का फल है
कार्य सृजन करना है
नै
करता है
एवं बलिदान की भावना भरता है
की भावना को जगाता है
प्रतिरूप कहा गया है
विभूषणों से विभूषित किया गया है

"गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुदेवो महेश्वरः।
गुरुःसाक्षात् परब्रह्म तस्मै

जिस प्रकार सृष्टि के सृजन में व्यक्ति का कोई हाथ नहीं रहता, ठीक उसी तरह छात्र सृजन में गुरु का कोई दोष नहीं होता। प्रायः ऐसा होता है
अनै
समाज इन्हें डाँटता, प्रताड़ित, दण्डित औ
के दोषारोपण करता है
पूछना चाहता हूँ कि ऐसे उद्दण्ड छात्रों को दण्ड क्यों दिया जाता है
जाता है
है
समान है
कच्ची मिट्टी को जो रूप देना चाहिए, दे सकता है
देता भी है
देव मूर्ति आदि अनेक वस्तुएँ बना देता है
स्नेहमयी दृष्टि से देखता है
कभी-कभी वही कुम्भकार उसी मिट्टी को ऐसे रूप में ढाल देता है
चाहता। यही स्थिति छात्र की होती है
अकुशल, अभिमानी, अनुशासनहीन छात्रों का दोषी स्वयं अध्यापक तंत्र है

अध्यापक समाज का सबसे कर्मठ नागरिक है
कर्म में ही पूर्ण विश्वास करता है
अपनी कर्म-भूमि से भागना चाहता है
झपटना चाहता है
इस तरह की होंगी वहाँ विद्यार्थियों से कर्म की क्या आशा की जायेगी। छात्र बहुत कुछ अनुकरण अपने शिक्षकों का करता है
उतारना चाहता है
समाज में ग्रहण करने योग्य नहीं हुई तो छात्र समाज द्वारा कै

अतः शिक्षक को चाहिए कि वह छात्रों के मध्य ऐसी ही बातों का उल्लेख करे जो उन्हें सच्चे रास्ते पर ले जायें, कर्मठता औ
की 'भारती' का पुजारी ब्रह्म रूप 'शिक्षक' जिसे TEACHER भी कहा गया है
कर्त्तव्यपरायणता, सत्यता, रोम-रोम में ईमानदारी, नियमितता औ TEACHER
में व्याप्त विशेषताएँ निम्न है

T–	Truthfulness	सत्यता
E–	Efficiency	कार्यकुशलता
A–	Ability	योग्यता
C–	Character	चरित्र
H–	Honesty	ईमानदारी
E–	Eagerness	उत्सुकता

R– Regularity नियमितता

यही TEACHER जिसे हम शिक्षक, अध्यापक, गुरु आदि के नामों से जानते है हम ब्रह्मा से करते है होना चाहिए एवं ऐसे वै TEACHER को कोटि में रखा जाना चाहिए तथा जिसके शिष्यों से ही जनमानस, समाज एवं राष्ट्र के प्रति उचित कर्त्तव्य की परिकल्पना की जाये।

❑

अष्टग्रही दोहावली

—आलोक प्रीतम पाण्डेय
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

वै — धवल वै
दोनों को कर दें सफा, मर्ज रहे न मरीज

प्रोफेसर — वेतन में चेतन चतुर, देत न विद्या दान
कालिज शिक्षा से अधिक ट्यूशन पे दें ध्यान

नेता — माइक की गर्दन पकड़ मारे लम्बी डींग
करे प्रमाणित तर्क से, गदहे के दो सींग

संस्था संचालक — ले तिकड़म की कलम से सरकारी अनुदान
संस्था को रख जेब में हो जा अन्तर्धान

वकील — कानूनों के कान में ठोक जिरह की कील
हत्या कर दे सत्य की है

स्वामी जी — रबड़ी रसगुल्ला भखै
तजकर अन्न प्रसन्न है

कुर्क अमीन — इससे भी कुछ झपट ले उससे भी ले छीन
गुरु की भी कुर्की करे असली कुर्क अमीन

सपूत — पास परीक्षा में हुए पूत निपोरे खीस
टोटल मार्क्स हजार में मिले चार सौ

❑❑

माँ

—मो. फारुक
बी० टी० सी० (प्रथम सेमेस्टर)

हमारे हर मर्ज की दवा है
कभी डाँटती है
हमारी आँखों के आँसू, अपनी आँखों में समा लेती है
अपने होठों की हँसी, हम पर लुटा देती है
हमारी खुशियों में शीतल होकर, अपने गम भुला देती है
जब भी कभी ठोकर लगे, तो हमें तुरन्त याद आती है
दुनिया की तपिश में हमें आँचल की शीतल छाया देती है
खुद चाहे कितनी थकी हो, हमें निरख अपनी थकान भूल जाती है
प्यार भरे हाथों से, हमेशा हमारी थकान मिटाती है
बात जब भी हो लजीज खाने की, तो हमें याद आती है
रिश्तों को खूबसूरती से निभाना सिखाती है
लफ्जों में जिसे बयाँ नहीं किया जा सके ऐसी होती है
भगवान भी जिसकी ममता में खो जाते है

❖❖❖

बसंत का मौ

—राहुल कुमार
बी० टी० सी० (प्रथम सेमेस्टर)

है
हर दिल में उमंगें, हर लब पे गजल है

ठंडी-शीतल बहे बयार, मौ
हर डाल ओढ़ा नई चादर, हर कली गयी मचल है

प्रकृति भी हर्षित हुई जो, हुआ बसंत का आगमन है
चूजों ने भरी उड़ान जो, गये पर नये निकल है

है
चखेंगे स्वाद नये अनाज का, पक गयी जो फसल है

त्यौ
लिये पिया मिलन की आस, सज रही "दुल्हन" है
है

❑❑

जिन्दगी का फण्डा

—सुहानी चौ
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

जो सोचा कभी मिला नहीं
जो मिला रास आया नहीं
जो खोया रास आता नहीं, पर
जो पाया संभाला जाता नहीं
क्यों.....
अजीब सी पहेली है
जिसको कोई सुलझा पाता नहीं,
जीवन में कभी समझौ
तो कुछ समझ आता नहीं।
क्योंकि झुकता वही है
अकड़ तो मुर्दों की पहचान होती है
जिन्दगी जीने के दो तरीके होते है
पहला— जो पसंद है
दूसरा— जो हासिल है
जिन्दगी जीना आसान नहीं होता,
बिना संघर्ष कोई महान नहीं होता।
जिन्दगी बहुत कुछ सिखाती है
कभी हँसाती, कभी रुलाती है
जो हर पल खुश रहते है
जिन्दगी उनके आगे सर झुकाती है

❖❖❖

एक कविता हर माँ के नाम

—कुमार गौ
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

घुटनों से रेंगते रेंगते,
कब पै
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब बड़ा हुआ।
काला टीका दूध मलाई,
आज भी सब कुछ वै
मै
प्यार ये तेरा कै
सीधा-सीधा भोला भाला,
मै
कितना ही हो जाऊँ बड़ा,
"माँ" मै

शायरी—

मंजिल दूर औ
छोटी सी जिन्दगी की फिकर बहुत है
मार डालती ये दुनिया कब की हमें.....
लेकिन "माँ" की दुआओं में असर बहुत है

❑❑

मेरे प्यारे पापा

—कुमार गौ
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान है
कभी धरती तो कभी आसमान है
जन्म दिया है
जानेगा जिससे जग वो पहचान है

कभी हँसी औ
कभी कितना तन्हा औ
माँ तो कह देती है
सब कुछ समेट आसमान-सा फै

❖❖❖

स्टूडेंट के लिए विचार

—अमित कुमार
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

– जिन्दगी हमें हर दिन कोई न कोई सबक सिखाती है
इसलिए नहीं कि हम उस सबक को पढ़ें.....
बल्कि इसलिए ताकि हम उस सबक से कुछ सीखें।
– हर दिन जिन्दगी से कुछ नया सीखें।
– आप कितनी तेजी से आगे बढ़ रहे है
जब आप गलत रास्ते पर जा रहे होते है
– इसलिए समय-समय पर हमें यह गौ
कि हम सही रास्ते पर जा रहे है
– जरूरतों को पूरा किया जा सकता है
किसी तरह से नहीं बुझाई जा सकती है
– व्यस्त होने से कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता है
क्योंकि अगर वह बेकार के कामों में व्यस्त है
तो सफलता कभी उसके पास नहीं जायेगी।
– बेकार की व्यस्तता असफलता की जननी होती है
– मुश्किलों में हिम्मत नहीं हारना चाहिए, बल्कि
मुश्किलों पर पलटकर वार करना चाहिए।

❖❖❖

स्वामी विवेकानन्द

—संध्या वर्मा
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

परमहंस मानस किरण स्वामी विवेकानन्द,
दिव्य तेज आलोक मय, मनु उत्सव आनन्द।
भव्य भारती वेश बीच मोहित मुख मण्डल,
सिर पर पगड़ी शोभित कर में दण्ड कमण्डल।
संन्यासी सम्राट अतुल ऊर्जस्वित तन-मन,
ब्रह्मचर्य के प्रभा पुंज भासित अन्तर्मन।

नाप दिया था निज चरणों से पर्वत सागर,
संस्कृति का सन्देश सुनाकर किया उजागर।
युवकों का आह्वान किया जग में कल्याणी,
भारत के कण-कण से गूँजी अमृतवाणी।
आदि शक्ति सम्पन्न सूर शिव तरुण तपस्वी,
उत्सर्गित हो गये आर्य गुरु महा मनस्वी।
भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता का पाठ पढ़ाया,
अपर भूमि में प्रखर ज्ञान से भारत भू का ध्वज लहराया।
बुद्धि हृदय संतुलन सूर्य से आत्मबोध आलोक बिखेर,
सर्व धर्म का सार स्वयं भू देख-देख चकित चकोर।

❖❖❖

प्रार्थना

—रागिनी यादव
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

हे ईश्वर हे दया निधान,
माँग रहे हम यह वरदान।
नहीं चाहिए हमको दौ
नहीं चाहिए झूठा मान॥
तूफानों को बढ़कर झेलें
विपदाओं से हँसकर खेलें।
हिम्मत साहस कभी न छोड़ें
दुर्बलता को दूर ढकेलें॥
हे वर दो यह शक्ति महान्,
माँग रहे हम यह वरदान।
नहीं चाहिए हमको दौ
नहीं चाहिए, झूठा मान॥
सेवा औ
महकायें जग उद्यान।
बन जायें सच्चे इंसान,
माँग रहे हम यह वरदान॥
नहीं चाहिए.....

❖❖❖

गणित के अनमोल वचन

–शै
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

1. जै
   स्थान सबसे ऊपर है
2. गणित एक ऐसा उपकरण है
   जिसको प्रकृति अवश्य सुनेगी औ
3. ज्यामिति की रेखाओं औ
4. काफी हद तक गणित का सम्बन्ध केवल सूत्रों औ
   पार्किंग मोटरों से, राष्ट्रपति चुनावों से है
   ताकि हम उन समस्याओं को हल कर सकें जो अर्थपूर्ण है
5. लॉटरी को मै

❑❑

व्यंग्य

–सुरेन्द्र कुमार गोस्वामी
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

काव कही कुछ कहत डेराई।
चोर-चोर मौ
न इनके आँखी न उनके कान।
मेरा भारत देश महान।।
जेब माँ जो सौ
चोरी करके बनइहै
मेरा भारत देश महान।

दारू पिहै
मस्त-मस्त वय जूता खइहै
उतरी दारू खइहै
मेरा भारत देश महान।।
शाम का वय जब गाँव का अइहै
गाँव माँ उनका सब गरियइहै
सब कहिहै
मेरा भारत देश महान।।

❑❑

सफलता के सोलह सूत्र

–नीरज तिवारी
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

1. गुण — गुण न हो तो रूप व्यर्थ है
2. विनम्रता — विनम्रता न हो तो विद्या व्यर्थ है
3. उपयोग — उपयोग न हो तो धन व्यर्थ है
4. साहस — साहस न हो तो हथियार व्यर्थ है
5. भूख — भूख न हो तो भोजन व्यर्थ है
6. होश — होश न हो तो जोश व्यर्थ है
7. परोपकार — परोपकार न करने वाले का जीवन व्यर्थ है
8. गुस्सा — गुस्सा अक्ल को खा जाता है
9. अहंकार — अहंकार मन को खा जाता है
10. चिन्ता — चिंता आयु को खा जाती है
11. रिश्वत — रिश्वत इंसान को खा जाता है
12. लालच — लालच ईमान को खा जाता है
13. दान — दान करने से निर्धनता दूर होती है
14. सुन्दरता — सुन्दरता के लिए लज्जा आवश्यक है
15. दोस्त — चिढ़ता हुआ दोस्त मुस्कराते हुए दुश्मन से अच्छा है
16. सूरत — हमें इंसाफ करने वाले की अक्ल देखनी चाहिए शक्ल की नहीं।

India is So Great

–Neeraj Tiwari
B.T.C. Ist Semester

Punjab for fighting
Bengal for writing
Sikkim for duty
Kasmir for beauty
Rajasthan for history
Maharashtra for victory
Karnataka for silk
Haryana for milk
Kerala for brains
U.P. for sugarcane
Himachal for apple
Orissa for temples
Madhya Pradesh for tribals
Bihar for minerals
Each place each state
Make India so great.

❖❖❖

संस्थान गीत

—*आलोक कुमार*
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

गौ अतीत मनभावन, वर्तमान हर्षाता है
भवदीय हेमराज वर्मा कालेज अवध का मान बढ़ाता है

मिश्रीलाल जी ने इसकी पौ लगाई थी,
कर सर्वस्व दान, विद्या की पावन अलख जगाई थी,
पुण्य प्रताप निरन्तर उनका सच्चाई मार्ग दिखाता है
भवदीय हेमराज वर्मा कालेज.....

बी.जी.आई. का यह उत्तम शिक्षा केन्द्र बना,
कला औ
'विद्या ददाति विनयम्' इसका सूत्र वाक्य सिखलाता है
भवदीय हेमराज वर्मा कालेज.....

शिक्षक, प्रबन्धतन्त्र कर्मी औ
निष्ठा से पालन करते है
ज्ञान गगन में इसीलिये, इसका परचम लहराता है
भवदीय हेमराज वर्मा कालेज.....

उत्तर में सरयू मै धर्म ध्वजा को धारे है
दक्षिण स्थित नै
उनसे प्रेरित होकर कालेज, नित सद्भावना लुटाता है
भवदीय हेमराज वर्मा कालेज.....त्रत्र.....

यह निवेदन मातु शारदे, हम सबमें नै
देश प्रेम, मानव में निष्ठा, सच्चाई का सम्बल हो,
तेरी अनुकम्पा से मइया, भाग्य भवन खुल जाता है
भवदीय हेमराज वर्मा कालेज.....

❖❖❖

विज्ञान चालीसा

—अंकित कुमार सिंह
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

जय न्यूटन विज्ञान के आगर,
गति खोजत ते भरि गये सागर।
ग्राहम बेल फोन के दाता,
जन संचार के भाग्य विधाता।
बल्ब प्रकाश खोज करि लीन्हा,
मित्र एडीसन परम प्रवीना।
बायल औ
ताप, दाब सम्बन्ध पुराना।
नाभिक खोजि परम गतिशीला,
रदरफोर्ड है
खोज करत जब थके टामसन,
तबहिं भये इलेक्ट्रान के दर्शन।
जबहिं देखि न्यूट्रान को पाये,
जेम्स चै
भेद रेडियम करत बखाना,
मै
बने कार्बनिक दै
बर्जीलियस के शुद्ध कथन से।
बनी यूरिया जब बोहलर से,
सभी कार्बनिक जन्म यहीं से।
जान डाल्टन के गूँजे स्वर,
आंशिक दाब के योग बराबर।
जय जय जय द्विचक्र वाहिनी,
मै
सिलने हेतु शक्ति के दाता,
एलियास है
जय जगदीश सबहिं को साजे,
वायरलेस अब हस्त बिराजै

अलेक्जेंडर फ्लेमिंग आये,
पेंसिलीन से घाव भराये।
आनुवंशिकी का यह दान,
कर लो मेण्डल का सम्मान।
डा. रांगजन सुनहु प्रसंगा,
एक्स किरण की उज्ज्वल गंगा।
ओम नियम की कथा सुहाती,
धारा विभव है
एहि सन उद्गम करै
लेन्ज नियम अति परम प्रबोधा।
चुम्बक विद्युत देखि प्रसंगा,
फै
धारा उद्गम फिरि मन मोहे,
मान निगेटिव फ्लक्स के होवे।
विद्युत है
सुन्दर कथन मनहिं हर्षाता।
पर चुम्बक से विद्युत आई,
ओर्स्टेड की कठिन कमाई।

आश्चर्यजनक वृक्ष

—अंकित कुमार सिंह
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

1. मलेशिया के विषुवतीय जंगलों में पाया जाने वाला वृक्ष —फितरसवी जिकोसा
इस वृक्ष की खासियत यह है
लगे छोटे-छोटे पौ
रस चूस लेता है
हिस्सों को फेंक देता है

2. अफ्रीका में एक ऐसा वृक्ष पाया जाता है
के हँसने की ध्वनि निकालता है
निकलती है
अन्य चीज लगा दी जाये।
3. यू के लिप्टस वृक्ष को राक्षस वृक्ष की संज्ञा दी गयी
है
4. कै
का सबसे विशाल वृक्ष है
मीटर व वजन 2030 टन है
5. कुछ पौ
जाता है
है
होते है
के रस्सीनुमा लटके होते है
का पादप है
6. CFC को चमत्कारी यौ
आविष्कार अमेरिका ने 1930-31 ई. में किया।
इसका उपयोग वातानुकूलन यंत्र, दवा व प्लास्टिक
उद्योगों में किया जाता है

❑

कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ मुहिम : माँ तुम पछताओगी

—प्रिया श्रीवास्तव
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

गर्भ समापन होगा कल सुन, कन्या का दिल डोल उठा,
माँ मुझको आ जाने दो न, कन्या भ्रूण यह बोल उठा।

बेटा औ
बेटे की सब खुशी मनाते, क्यों मेरे आने पर रोते।

माँ मै
जब भी तू बीमार पड़ेगी, सेवा तेरी खूब करूँगी।

अपने छोटे हाथों से माँ, हाथ बटाऊँगी मै
भै

मुझको मत धकियाओ मम्मा, खूब पढ़ूँगी खूब लिखूँगी,
बनूँ कल्पना या विलियम मै

इन्दिरा गाँधी भी महिला थीं एक राष्ट्रपति भी थीं महिला,
अफसोस! मुझे नष्ट कर देने वाली, क्रूर चिकित्सक भी है

यदि नहीं मानोगी माँ तुम, एक समय पछताओगी,
बेटे की दुल्हन ढूँढ़ोगी, कहीं नहीं फिर पाओगी।
माँ एक दिन तुम पछताओगी, एक दिन तुम पछताओगी।

❖❖❖

राजनीति का तुष्टिकरण

—अंशिका सिंह
बी०टी०सी० (तृतीय सेमेस्टर)

15 अगस्त सन् 1947 को भारत आजाद हुआ। उसके बाद भारत में अपने एक संविधान का निर्माण हुआ। हमारा संविधान 'लोकतन्त्र' की एक जीवित इकाई है
एक ही राष्ट्रीय राजनीतिक दल था— कांग्रेस।

समय एवं आवश्यकता की माँग ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक पार्टियों का आविर्भाव किया। राजनीतिक दल एवं नेता को लोकतन्त्रात्मक देश में जनता के सेवक के रूप में माना जाता है

औ
उसका प्रयोग जनता के हित के लिए होना चाहिए। परन्तु वर्तमान में राजनीति का पूर्ण रूपेण तुष्टिकरण किया जा रहा है

विभिन्न राजनीतिक दल अपने वोट बै
में रखकर अपने मानसिक तुष्टिकरण का एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे है
राजनीति कर रहा है

जब चुनाव नजदीक आता है
बहुत देखने को मिलते है

राजनीतिक तुष्टिकरण के कुछ ज्वलन्त उदाहरण उ. प्र. औ

ऐसी अनेक निम्नस्तरीय मानसिकता ने पूरे देश को जाति, धर्म, मजहब के नाम पर बाँट दिया है

वर्तमान में उ. प्र. औ
विधानसभा चुनाव हुए जिसमें दोनों प्रदेश की सत्ताधारी पार्टियों ने जाति, धर्म के नाम पर तुष्टिकरण करते हुए, अपनी-अपनी चालें चलीं।

उ. प्र. की चाचा-भतीजे की सरकार ने बुआ की तर्ज पर 17 ओ.बी.सी. जातियों को एस. सी. में शामिल करने की अपनी जातिवादिता की चाल चली।

हाँ, यदि हम एक समालोचक की दृष्टि से देखें, तो ये इसे मान लें कि ये फै
है
उत्थान के लिए कुछ ठोस कदम उठाये गये होते।

मुझे ये कहने में बिल्कुल भी संकोच नहीं कि भारतीय राजनीतिक प्रदेशों में जनता को एक मोहरे की तरह प्रयोग किया जा रहा है
राजनीतिक चालों को दरकिनार करके प्रधानमंत्री मोदी के सूत्र वाक्य 'सबका साथ सबका विकास' में विश्वास करते हुए भाजपा को भारी बहुमत से विजय दिलायी।

उत्तराखण्ड में भी मानसिक तुष्टिकरण का उदाहरण मिला, जब वहाँ 'नमाज' को एक चुनावी फायदे के लिए प्रयोग किया गया। वहाँ के कर्मचारियों को 90 मिनट का ब्रेक दिये जाने का प्रावधान किया गया। इस समय तीन तलाक जै
राजनीतिकरण का शिकार होना पड़ रहा है

मेरे विचार से आज उन्हें नमाज के लिए 90 मिनट की आवश्यकता नहीं है
आर्थिक एवं सामाजिक स्तर को बढ़ाने की जरूरत है

परन्तु राजनीतिक तुष्टिकरण में सिर्फ राजनीतिक दलों को दोष देना ही ठीक नहीं है
हम लोगों की कमजोर धार्मिक एवं असहिष्णु मानसिकता भी जिम्मेदार है
सोच कर नहीं जाते कि हमें एक अच्छा एवं योग्य नेता चुनना है
कभी जाति विशेष पर या अपने व्यक्तिगत लाभ को ध्यान में रखते है
प्रत्येक राजनीतिक दल वोटर को मोहरे के रूप में प्रयोग करते है

इसी कारण हमें शोषण का शिकार होना पड़ रहा है

(अदम गोण्डवी) की ये पंक्तियाँ सटीक लगती है

"काजू भुने प्लेट में ह्विस्की गिलास में उतरा है

आज प्रत्येक दल आरक्षण के साथ खेलता है औ

वर्तमान राजनीतिक स्तर के पतन पर ये पंक्तियाँ एक कुठाराघात है

"गली के चोर उचक्के भी आज हमारे नायक है
भारत के ये घोटाले बाज ही, सांसद औ
इनकी इस करनी का जो हम परिणाम भुगते है
दिल पर रखकर हाथ कहें तो हम इसी के लायक रहते है

अन्तत: यदि हम इस राजनीतिक तुष्टिकरण पर एक करारा कुठाराघात करना चाहते है
हमें अपनी आखों पर पड़ा ये धर्म, जाति एवं व्यक्तिगत लाभ का पर्दा हटाना होगा।

❑

स्कूल की याद

—विकास शर्मा
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

कमीज के बटन ऊपर, नीचे लगाना,
वो अपने बाल खुद न काट पाना।
पीटी शूज को चाक से चमकाना,
वो काले जूते को कपड़ों में पोछने जाना।
ऐ मेरे स्कूल जरा फिर से तो बुलाना॥

वो बड़े नाखूनों को दाँतों से चबाना,
औ
प्रार्थना के समय क्लास में रुक जाना,
पकड़े जाने पर पेट दर्द का बहाना बनाना।
ऐ मेरे स्कूल जरा फिर से तो बुलाना॥

वो टीन के डिब्बे को फुटबाल बनाना,
ठोकर मार-मार कर क्लास तक लाना।
साथी के बै
औ
ऐ मेरे स्कूल जरा फिर से तो बुलाना॥

वो गेम पीरियड के लिए सर को पटाना,
यूनिट टेस्ट को टालने लिए के उनसे गिड़गिड़ाना।
जाड़ों में बाहर धूप में क्लास लगवाना,
औ
ऐ मेरे स्कूल जरा फिर से बुलाना॥

समोसा चाट देखकर जमकर लार टपकाना,
अचार की खुश्बू क्लास में फै
साथी से खाने की मिन्नतें करने जाना,
फिर लंच से पहले टिफिन चट कर जाना,
ऐ मेरे स्कूल जरा फिर से तो बुलाना॥

वो परीक्षा से पहले गुरुजी के चक्कर लगाना,
बार-बार बस इम्पोर्टेंट पूछने जाना,
वो उनका पूरी किताब पर निशान लगाना,
औ
ऐ मेरे स्कूल जरा फिर से तो बुलाना॥

❖❖❖

तमन्ना दिल की

—काजल सिंह
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

तमन्ना जब किसी की नाकाम हो जाती है
जिन्दगी एक शाम हो जाती है

दिल के साथ दौ
वरना गरीब की तो मोहब्बत भी नीलाम हो जाती है

हर अपना करीब नहीं होता,
अच्छा सबका नसीब नहीं होता,

सबकी चाहत होती है
हर माँगने वाला गरीब नहीं होता।

खुदा ने लोगों को दिल से मिलाया,
हर किसी के लिए किसी को बनाया,

पर कहते है
जिसने हर रिश्ते को दिल से निभाया।

खूबसूरत-सा एक पल किस्सा बन जाता है
जाने कब कौ जिन्दगी का हिस्सा बन जाता है

कुछ लोग जिन्दगी में मिलते है
जिनसे कभी न टूटने वाला रिश्ता बन जाता है

वक्त औ
पल औ

जरा एक बार मुड़कर देखना मेरे दोस्त,
हर कदमों के नीचे मेरे हाथों के निशान होंगे।

खुशियों का एक संसार लेके आयेंगे,
पतझड़ में बहार लेके आयेंगे,

जब भी पुकारोगे तुम प्यार से
मौ

❖❖❖

Man is the Architect of His Own Fate

–Rajan Sharma
B.T.C. I[st] Semester

Caulyes said, "Genius is the capacity to take infinite pains". Another man said that it is ten percent and ninety percent perspiration. We have only to make up our minds and the mountains of difficulties disappears like fog after sunrise.

The height by great man reached and kept,
Were not attained by sudden flight,
But they, while their companions slept,
Were toiling upward in the night.

Those who fail in life are, however, very apt to assume a tone that cruel fate was responsible for their failure as a set of circumstance conspired together to deprive them. They lament with Shakespeare—

It is the stars : The stars above us
That govern our condition.

To such persons one can quote Shakespeare who in a different vein said.

The fault, dear Brutus, is not in our Stars,
But in ourselves that we are underlings.

Many a man has risen to dizzy heights by sheer hard work. For them "where there's will there's way" and "Hard work is the key to success".

Dr. Johnson who came upto London with a single guinea in his pocket by constant and relentless effort became the greatest writer of his day. His testimony is worth quoting.

"All the complaints which are made of the world are unjust, I never knew a man of merit and diligence neglected, it was by his own fault that he failed of success".

Nepolean is another name to conjure with. He was never afraid of the consequences. He had a vision and an ambition and went on plodding. He always advised his generals to rely for victory more on dry gun powder than on prayers to the Almighty.

Columbus, a bald navigater, wanted to cross the seas with the intention of finding a route to India. The courtiers of the Spanish king dismissed the whole project as futile but no amount of difficulties could deter him from the quest.

Newton worked day and night in the pursuit of his subject. There are several anecdotes about his forgetting summed up his career in the words.

"If I have done the public any service, it is due to nothing but industry and patient thought".

Nothing can defeat a man who is prepared to struggle all alone, with confidence against odds, poverty, misfortune and hardship. True merit does not remain unrewarded people who started life as street-hawkers have risen to the position of multi– millionaires by hard work and perseverance.

The goddess of fortune smile only on those whose hands have been coarsed with labour because. "God helps those who help themselves."

❑❑

पिता

—अभिषेक कुमार
बी०टी०सी० (पंचम सेमेस्टर)

मेरा साहस मेरी इज्जत मेरा सम्मान है
मेरी ताकत मेरी पूँजी मेरी पहचान है

घर की इक–इक ईंट में शामिल उनका खून पसीना।
सारे घर की रौ

मेरी इज्जत मेरी शोहरत मेरा रुतबा मेरा मान है
मुझको हिम्मत देने वाला मेरा अभिमान है

सारे रिश्ते उनके दम से सारी बातें उनसे है
सारे घर की धड़कन उनसे सारे घर की जान है

शायद रब ने देकर भेजा फल ये अच्छे कर्मों का।
उसकी रहमत उसकी नेमत उसका वरदान है

अपनों की पहचान

—अभिषेक कुमार
बी०टी०सी० (पंचम सेमेस्टर)

गिरना भी अच्छा है
औ
बढ़ते है
अपनों का पता चलता है
जिन्हें गुस्सा आता है
वो लोग सच्चे होते है
मै
मुस्कुराते हुए देखा है

सीख रहा हूँ मै
पढ़ने का हुनर,
सुना है
किताबों से ज्यादा लिखा होता है

❑❑

सच एक अनुभव

—मीनाक्षी पाण्डेय
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

जिन्दगी में कभी भी किसी को बेकार मत समझना, क्योंकि बन्द पड़ी घड़ी भी दिन में दो बार सही समय बताती है

ईश्वर से कुछ माँगने पर न मिले तो उससे नाराज न होना, क्योंकि ईश्वर वह नहीं देता जो आपको अच्छा लगता है
होता है

जब हम बोलना नहीं जानते तो हमारे बोले बिना माँ हमारी बातों को समझ जाती है
बात पर कहते है

लगातार हो रही असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि गुच्छे की आखिरी चाबी भी ताला खोल सकती है

रिश्ते चाहे कितने ही बुरे हों उन्हें तोड़ना मत, क्योंकि पानी भी कितना गंदा हो अगर प्यास नहीं बुझा सकता तो आग तो बुझा ही सकता है

गुरु की महिमा

—मीनाक्षी पाण्डेय
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

जिसने मन को है
जिसने चलना है
जिसने जीवन को बतलाया,
सही गलत में फर्क बताया।
जिसने जीवन का मर्म बताया,
जिसने मोक्ष की राह दिखाया।
संकट में जब कुछ न सूझा,
सच्चाई का पाठ पढ़ाया।
हम उन गुरुजन का गुणगान करें,
देख उन्हें अभिमान करें।
जिससे माँ का प्यार मै
ममता का आँचल भी पाया।
जिसके तले न कोई भय हो,
पिता का ऐसे साया पाया।
गुरु ही नहीं सखा की तरह
मै
खुद को मै
समझ न आता उस गुरुजन का
कै
खुद को मै
उस गुरुजन का गुणगान करूँ,
देख उन्हें अभिमान करूँ।

❑❑

बेटी तो आखिर बेटी है

—अंजली राय
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

बेटी तो आखिर बेटी है
बेटी के पै
क्या दिल में उदासी छाती है
क्या घर की खुशियाँ मिटती है
जब बेटी घर में आती है
देती है
वह भी तो किसी की बेटी है
बेटा ही लेकिन हो उसको,
उसकी भी चाहत होती है
बेटा जो घर में आयेगा,
वह बाप का वंश चलायेगा
पर वंश चलाने की खातिर,
बहुओं की जरूरत होती है
बेटा का चेहरा देख कर ही
माँ–बाप को खुशी हो जाती है
बेटी भी लेकिन गै
सन्तान उन्हीं की होती है
बेटों को खूब पढ़ाने की,
माँ–बाप की इच्छा होती है
बेटी को जरूरत क्या इसकी,
बेटी तो आखिर बेटी है

❑❑

लड़कियाँ

—रचना माझी
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

चिड़ियाँ होती है
पंख नहीं होते लड़कियों के

मायके भी होते है
ससुराल भी होते है
घर नहीं होते लड़कियों के

मायका कहता है
ससुराल कहता है

ऐ खुदा अब तू ही बता ..... आखिर
ये बेटियाँ किस घर के लिए बनाई है

❑❑

परिवर्तन की अभिलाषा

—सुधा यादव
बी०टी०सी० (प्रथम सेमेस्टर)

आँखों में यूँ आँसुओं के,
छलकने से कुछ न होगा,
गिरने की वजह समझो
सम्भलने से कुछ न होगा।
अभिलाषा है
तो खुद को बदल दो,
हमेशा की तरह
आइना बदलने से कुछ न होगा।
जाओ तो ऐसा करके कि
तुम्हे याद करें लोग,
व्यर्थ ही चमन में,
टहलने से कुछ न होगा।
आनन्द तै
थाह नहीं जहाँ है
जहाँ सिर ही भीगता हो
वहाँ मचलने से कुछ न होगा।
चाह हो विजय श्री की
तो करो परिवर्तन अपने में
व्यर्थ ही रास्ते बदलने से कुछ न होगा।
ये प्रेम की दीवारें
इसे कै
किसी फूल को चुटकियों में
मसलने से कुछ न होगा।

❑❑

बेटियाँ

—रुचि दूबे
बी. टी. सी. (तृतीय सेमेस्टर)

बेटियाँ भगवान् का सबसे बड़ा वरदान है
बेटियाँ घर की पुरानी खिड़कियों को खोलती है
यदि घर में बेटियाँ हों तो घर की दीवारें बोलती है
बेटियों ने हर दम घर का नाम रोशन ही किया है
वक्त पर मीरा बन के जहर का प्याला पीया है
हाथ में तलवार लेकर लक्ष्मीबाई बनी है
इन्दिरा बन के समस्त विश्व के सामने तनी है
ऐश सौ
सानिया बन खेल के मै
सुर लता मंगेशकर के सुर से वारिधि डोलते है
मूर्ख है

❑❑

हास्य व्यंग्य

–रुचि दूबे
बी. टी. सी. (तृतीय सेमेस्टर)

एक बार गरीबदास जी ने,
चाय पर मुझे बुलाया।
अपने चारों बेटों से,
मेरा परिचय कराया।।
यह मेरा सबसे बड़ा बेटा है
एम. बी. बी. एस. पास है
नाम हर्षदास है
सदै
यह मेरा दूसरा बेटा है
लंदन से अभी आया है
इंजीनियरिंग की डिग्री साथ लाया है
औ
नल पर पानी भर रहा है
एम. ए. कर चुका है
अब पी- एच. डी. कर रहा है
चौ
जरूरत से ज्यादा हाई है
पढ़-लिख नहीं पाया,
इसीलिए नाई है
हेयर कटिंग सै
अच्छे-अच्छे की हजामत बनाता है
मै
इसे घर से निकालिए।
अपने घर का रेपुटेशन
अब आप स्वयं सँभालिए।।
वे बोले निकाल तो दूँ
पर यह बहुत काम आता है
बाकी तीनों तो बेरोजगार हैं
घर का खर्च चौ

❑❑

इस नववर्ष

–सुचिता वर्मा
बी. टी. सी.

हो बात नयी हो विचार नया,
तुम रचो जीवन का इतिहास नया।
संग संग चलने को जीवन पथ,
हाथों में हो एक हाथ नया।।
भर जाये जीवन खुशबू से,
हर कली नयी हर पात नया।
धरती फूले उपलब्धियों से,
सपनों का हो आकाश नया।।
छट जाये निशा हर दर्द भरी,
मिल जाये स्वप्निल प्रभात नया।
हो बात नयी हो विचार नया।।

❑❑

श्रेष्ठ शिक्षण : शिक्षिका या शिक्षक ?

– रोशनी सोनी
बी. टी. सी. (तृतीय सेमेस्टर)

यह एक विचारणीय प्रश्न है
विषय है
जान लेना परम आवश्यक है
क्या है
"शिक्षा शारीरिक, मानसिक विकास की एक प्रक्रिया है
"शिक्षा मनुष्य के अन्दर में निहित देवत्व की अभिव्यक्ति है
अर्थात् एक बालक के अन्दर देवताओं के समान शक्ति संचित है
है
सभ्यता के ऊषाकाल से लेकर आज तक मानव ने जो प्रगति की है
पर ही अवलम्बित रही है
साधन है
होता है
मस्तिष्क की क्षमता के कारण ही मानव मानव बन सका है
बालक जब एक लौ
है
वह मनुष्य से मानव बनने तक का सफर तय करता है
महायात्रा का वाहक बनता है
अध्यापक ही जीवन को अस्तित्व प्रदान करते है
तक अध्यापक ही करते आये है
रूप में हों या पुरुष।
यह सर्वविदित है
स्त्री तथा पुरुष दोनों की अहम् भूमिका रही है
प्रकार बालक को शिक्षित करने में भी स्त्री व पुरुष की अहम् भूमिका होती है
पुरुष प्रधान समाज रहा है
को नकार नहीं सकते, चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो या फिर औ
प्रथम पाठशाला हुआ करता है
माना गया है
कह सकते है
से ही प्रारम्भ हो जाता है
दोनों ही उसके अध्यापन की जिम्मेदारी समान रूप से उठाते है

"Child learns the first lesson of citizenship between the kisses of the mother and cares of the father".

अर्थात् "बालक नागरिकता का प्रथम पाठ माता के चुम्बन औ
है
वर्तमान की जड़ अतीत से हुआ करती है
का अतीत अत्यन्त गौ
से भारत जगद्गुरु कहलाता था तो हम अपने प्रश्न का उत्तर अतीत से ढूँढ़ने का प्रयास करते है
प्राचीनकाल में विश्वामित्र, द्रोणाचार्य, वशिष्ठ, महर्षि वेदव्यास, गौ
महान् गुरुओं ने अपने शिक्षण से समाज को दिशा व दशा प्रदान की वहीं पर विदुषी नारियों का प्रभाव भी कम न था। कुछ तो ब्रह्मवादिनी व ऋषि की संज्ञा प्राप्त कर चुकी थीं औ
करके ख्याति अर्जित की। इन नारियों में अपाला, गार्गी, शाश्वती, घोषा, ममता, लोपामुद्रा प्रमुख थीं।

सबसे दयनीय दशा मध्यकाल में इस्लामी शिक्षण की थी, लेकिन मध्यकाल में भी महिलाओं ने अपनी महत्ता स्थापित की है
मुमताज महल, चाँद सुल्ताना के नाम उल्लेखनीय है
आधुनिक काल पर दृष्टिपात किया जाये तो दिखाई पड़ता है
के सहयोग भी सराहनीय है
रवीन्द्रनाथ टै
अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व की छटा बिखेर रहे थे, वहीं पर डॉ. श्रीमती ऐनी बेसेन्ट जै
महिलाओं का भी प्रादुर्भाव हुआ, जिनकी आभा से समूल शिक्षा क्षेत्र प्रभासित हो उठा। साहित्य के क्षेत्र में अपनी ओजमयी किरणों को बिखेरने वाली महादेवी वर्मा जी को कौ
विद्यापीठ" के प्राचार्य पद को भी सुशोभित किया, यही नहीं अपने साहित्यिक योगदानों के द्वारा भी पूरी मानवता को शिक्षित किया। शिक्षा के क्षेत्र में सरोजनी नायडू का योगदान भी अविस्मरणीय है

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट हो जाता है किसी जाति, लिंग, धर्म, सरहद, काल, व्यक्ति विशेष में बँधकर नहीं रह सकता है

'विद्या तो वह लता है
वृक्ष पर चढ़ जाती है
खजूर का।'

अर्थात् विद्या उसी का वरण करती है
सच्चे साधक-उपासक होते है

समय परिवर्तन के साथ-साथ हमारा समाज भी बदलता रहता है
तथा शिक्षण पद्धतियों का बदलना स्वाभाविक है
काल में गुरु (शिक्षक) केन्द्र में तथा विद्यार्थी परिधि पर हुआ करते थे। लेकिन आज का परिवेश बदल चुका है
पर है
में भी विशेष परिवर्तन परिलक्षित हो रहे है
व पुरुष की शिक्षा की व्यवस्था अलग-अलग की जा रही है
आवश्यकता होती है
लिए स्त्री ही बेहतर शिक्षिका हो सकती है

❑

जोड़ना है

—नेहा कन्नौ
बी. टी. सी. (तृतीय सेमेस्टर)

जोड़ना है
भूल से भी न किसी का दिल तोड़िए।।
वे बुराई करें, तुम भलाई करो।
कुछ बनो न बनो, नेक मानव बनो।
जीत होगी सच की, न पथ छोड़िए।
भूल से न किसी का दिल तोड़िए।।
न किसी घर में नारी का अपमान हो।
सबको इज्जत मिले, सबका सम्मान हो।
भेद छोटे-बड़े का मिटा डालिए।
भूल से भी न किसी का दिल तोड़िए।।
प्रेम दोगे तभी प्रेम तुम पाओगे।
लेके आये थे क्या? जो ले जाओगे।
प्यार की ममता मधुर लहर छोड़िए।
भूल से भी न किसी का दिल तोड़िए।।

❑❑

आवाज़ों के जंगल में हमारी सुने कौ

—तसलीमा बानो
बी. टी. सी. (तृतीय सेमेस्टर)

1. अब तक दूसरों पर फेंकते रहे अपनी गन्दगी— अपने घर की गन्दगी पड़ोसी के घर के आगे फेंकते रहे हम औ
समझाते रहे। मूँगफली खाई, सिनेमाहॉल में कचरा किया। केले खाये, सड़क पर फेंके हमने।

घर भर का कचरा जमा किया, सड़क पर ले जाकर फेंक दिया। स्थानीय प्रशासन कचरे के लिए जगह बनाता है
का ढेर लगाते रहे। यही नहीं, हम लोगों ने सफाई के महत्त्व पर कभी उपदेश देना नहीं छोड़ा। हम लगातार भूलते रहे कि अपने देश की संस्कृति क्या थी औ हम किस कचरा संस्कृति में अपना योगदान दे रहे है
की है

कभी महात्मा गाँधी ने 'स्वच्छ भारत' का सपना देखा था, जिसके लिए वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने का कार्य करें। वह चाहते थे कि हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी हो कि सबको बचपन से ही साफ-सफाई का मर्म पता चल जाये। इसके लिए किसी खास अभियान की जरूरत न पड़े। साफ रहने के पाठ तो हमने बहुत लिखे, बहुत पढ़े, लेकिन उसे जिन्दगी में उतारने से चूकते रहे।

कई लाख के मकान तो हम बना लेते है
में समुचित ढंग से शौ
पाते। कारखाने बनाकर महँगे सामानों का उत्पादन हमारे लिये जरूरी है
का कचरा सही ढंग से नष्ट किया जाये, जिससे न तो प्रदूषण फै
के लिए कारखानों से निकले अपशिष्ट जिम्मेदार है
सरकार लगाम लगाने की कोशिश करती है
बचने के जुगाड़ लगाते है
पर नजर गड़ाये बै
में दर्ज नहीं। शर्म की बात यह है
सोचने की जरूरत नहीं महसूस करते।

इन दिनों सरकार ने 'स्वच्छता अभियान' चला रखा है
के लिए सफाई का अभियान चलाना पड़े तो फिर हमें अपने सभ्य होने की गलतफहमी को दूर कर लेना चाहिए। दरअसल ऐसा लगता है
हुए ही नहीं। जीना हमें नहीं आया। क्या सरकार से अलग यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक जिम्मेदारी नहीं है
जिम्मेदारी, ईमानदारी औ

ऐसे में जरूरत है
से अलग इस अभियान को अपना सौ
दें। न तो कचरा फै
आसान है
अपने घर की साफ-सफाई ही नहीं, हर उस जगह की स्वच्छता के प्रति सोचना होगा जहाँ से हम गुजरते है
आदर्श दिनों पर आपस में एक प्रण लें।

"अब औ

2. जिनके पास चरखा उनके हाथ कपास हो— आज हम सबको यह समाज भटका हुआ क्यों लगता है
है
मुद्दा है
सामाजिक संरचना को ध्यान में रखकर हमने सबके लिए रोजगार के लिए कभी कोई मॉडल तै

किया। शिक्षा प्रणाली विदेश से ली, तो उसके साथ कई अवगुण भी आये। आज बेरोजगारी बढ़ रही है तो इसका कारण यह है
पूँजी से अपना खुद का रोजगार खड़ा करने की सोच नहीं सकता। गाँधीजी चाहते थे कि आजाद भारत में हर हुनरमंद हाथों के पास काम हो, नियमित आय का साधन हो। कुटीर औ
जाये। ऐसा हम कर नहीं पाये। हो सकता है
में ऐसा हुआ हो, लेकिन हकीकत में ऐसा हो नहीं पाया है
जै
वक्त है
को आगे बढ़ाना है
बाँध लेना होगा– "जिसके हाथ चरखा हो उसके पास कपास भी हो।"

3. शराब बन्द होगी, तो रास्ते खुलेंगे– आज भी सुनते है
कम हो रहे है
क्या, मै
कहर ढा रही है
है
सब जानते, मानते औ
होती शराब। आँकड़े बताते है
दुनिया में शराब की खपत लगातार बढ़ रही है
की कीमत भी बढ़ रही है
का अभिशाप भी बढ़ रहा है
सरकार अगर शराब बंद करती है
खिलाफ लोग एकजुट होने लगते है
है
जाती है
शौ
जाती है
जाती है
इसे जहर समझते थे। वह चाहते थे कि कोई हाथ न लगाये शराब को। मगर आजादी के इतने सालों बाद ऐसा हो नहीं पाया। शायद ये जबरन या कानून के डर से हो भी न पाये। यह अपना काम है
उस इच्छा का दमन करना होगा, जो दिमाग के किसी कोने में बै

❑

अमल करने योग्य बातें

– मानसी रावत
बी. टी. सी.

1. *माथे की शोभा बिन्दी से है*
2. *आँखों की शोभा सौ*
3. *कानों की शोभा कर्णफूल से नहीं, बल्कि ग्रहण करने योग्य अच्छी बातें सुनने से है*
4. *गले की शोभा हार से नहीं, बल्कि आदरयुक्त मधुर स्वर से है*
5. *दान में हो या पुण्य में अच्छाई दोनों में है*
6. *कुकर्म हो या कुविचार बुराई दोनों में है*
7. *मेहनत की हो या हराम की, कमाई दोनों में होती है*
8. *अर्थी हो या डोली विदाई दोनों में होती है*

❑❑

गर्भ में बेटी की पुकार

—श्वेता
बी. एड्. द्वितीय वर्ष

कुछ कहना चाहती हूँ
मै
दुनिया के संग औ
मै
माँ मै
फिर भी जन्म क्यों न ले पायी।
कोई न जाने मेरा मर्म
मेरी कब्र बन गया कै
तेरा खून तो पाया मै
फिर दूध क्यों न पी पाई।
अस्तित्व अपना मिटने पर
क्यूँ आँसू तक बहा न पायी।
मेरी दुर्दशा देखकर तो
ब्रह्मा ने भी पश्चात्ताप किया होगा
मुझे अपने साथ ले जाते हुए।
यमराज भी थर्राया होगा
मुझे भी जन्म लेने दो
बेटे से बढ़कर दिखाऊँगी
धरा के सुख क्या चीज है
तारे तोड़ आसमाँ से ले आऊँगी
बेटी को अगर मरवाओगे
माँ की ममता कै
खो जायेगा कहीं बहन का प्यार
दुलार किस पर बरसाओगे।
अन्तिम पुकार यही है
बचा लो जीवन अजन्मी बिटिया का।
अस्तित्व वरना मिट जायेगा,
इस दुनिया से मानव का।।

❖❖❖

बेटियाँ

—पूजा यादव
बी. एड्. द्वितीय वर्ष

वक्त से पहले बड़ी होती है
जन्नत से आयी, परी होती है
बेटी मेरी है
जब आयी वो इस जहाँ में,
खुशबू घुली थी हवा में।
कलियों ने हँसना सीखा,
नया रंग पाया फिजा ने।
बेटी मेरी मेरा जहाँ, बेटी बिना जीवन सूना।
बेटी मेरी है
जिगर जाँ को करते जुदा हम,
जब बेटी करते विदा हम।
माँ बाप का दर्द क्या है
कहें तुझसे कै
बेटी मेरी नाजुक कली, बेटी मेरी सबसे भली,
बेटी मेरी है

❑❑

मिसाल

—अवन्तिका पटेल
बी. एड्. प्रथम वर्ष

कदम ऐसे चलो कि निशान बन जाये,
काम ऐसे करो कि पहचान बन जाये,
जिन्दगी तो सब जीते है ऐसे
कि दूसरों के लिए मिसाल बन जाये।।

लोग कहते है
जीना मुश्किल है कहते है एक
बार कमल को जाकर देखो
सारी की सारी गलतफहमियाँ दूर हो जायेंगी।

❑❑

मुस्कान

—शीतल वर्मा
बी. टी. सी. (तृतीय सेमेस्टर)

मुस्कान की कोई कीमत नहीं होती, मगर यह बहुत कुछ रचती है
है
है

कोई इतना अमीर नहीं कि इसके बगै ले औ
पा सके। यह घर में खुशहाली लाती है
ख्याति बढ़ाती है

यह दोस्तों की पहचान है
आराम है
सुनहरी धूप औ
सबसे अच्छी दवा।

तब भी न तो यह भीख में, न खरीदने से, न उधार माँगने से औ
यह एक ऐसी चीज है
जब तक आप इसे किसी को दे न दें। दिन भर की भागदौ
हों कि मुस्करा न सकें, तो उन्हें अपनी मुस्कान दीजिए।

किसी को मुस्कान की उतनी जरूरत नहीं होती जितनी कि उसे जो खुद किसी को अपनी मुस्कान न दे सके।

❑

समाचार पत्रों में भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स (B.G.I.)

गुरु-शिष्य परम्परा कायम रखना जरूरी : कटियार

क्रीड़ा समारोह

[illegible] | हिन्दुस्तान संवाद

सोहावल क्षेत्र में स्थित शिक्षण संस्थान भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट सीवार में राज्यसभा सदस्य विनय कटियार ने वार्षिक क्रीड़ा समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

श्री कटियार ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि विद्यालय में द्रोणाचार्य जैसे गुरु और एकलव्य जैसे शिष्य की परम्परा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भवन के साथ-साथ इस परम्परा को जीवित रखना होगा, जिन्होंने कौरव और पाण्डव जैसे दोनों दलों को शिक्षा दी थी।

इस अवसर पर रुदौली के विधायक रामचंद्र यादव, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, आदित्य नारायण मिश्र, महंत मनमोहन दास, शंकर दास, कमलाशंकर पाण्डेय, डा. बांके बिहारीमणि त्रिपाठी, शिक्षण संस्थान के प्रबंधक मिश्रीलाल वर्मा, चेयरमैन आरती वर्मा, सचिव अवधेश वर्मा, संरक्षक मुरारी लाल जायसवाल, डॉ. नरहरम वर्मा, राजेन्द्र गोस्वामी, रजनेश यादव, प्रदीप कुमार तिवारी बाबा, मालिकराम रावत व अन्य मौजूद रहे।

क्रीड़ा समारोह के समापन अवसर पर मौजूद मुख्य अतिथि व अन्य • हिन्दुस्तान

विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

[illegible]

ठंड से बचाव के लिए गरीबों को बांटे कम्बल

[illegible]

बच्चों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

फैजाबाद (ब्यूरो)। भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, सीवार, सोहावल फार्मेसी के छात्र-छात्राओं द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन किया गया। संस्थान के प्राचार्य डॉ. संजय कुशवाहा ने फार्मेसी प्रोफेशन में अपार संभावनाओं और भविष्य बनाने के बारे में बताया।

इस अवसर पर विभिन्न छात्र/छात्राओं द्वारा भाषण, निबंध, सामाजिक विषय पर प्रश्नोत्तरी, नृत्य व गायन की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ आस्था व शालिनी ने सरस्वती वंदना गीत गाकर किया। तत्पश्चात 'जैसी करनी वैसी भरनी' नाटक का मंचन प्रस्तुत किया गया। [illegible] (मां), मोहित (पिता, ड्रग इंस्पेक्टर), संदीप राम (बेटा), हेमंत कुमार (डॉक्टर विलेन यादव) फार्मासिस्ट और नौकर की भूमिका में अभिनय कर के वाहवाही लूटी। [illegible] ने तालियां बटोरीं। 'देस मेरा रंगीला...' नृत्य कार्यक्रम में आस्था व सोनम ने कार्यक्रम बेहद रोचक बना बनाया। [illegible] प्रश्नोत्तरी में ममता शर्मा, [illegible] [illegible] विश्वजीत, सूर्यप्रकाश तिवारी व किशन [illegible] रहे। सूरज रावत ने 'हम वतन पर [illegible] हैं...' गीत गाकर कार्यक्रम को [illegible] किया।

श्रद्धालुओं के लिए लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

शिविर में की निःशुल्क शुगर की जांच

[illegible]

भवदीय गुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन मे जिले के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया

अयोध्या (सं.)। भवदीय इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एण्ड रिसर्च एवं फैजाबाद केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर लगाया गया, जिसमें विभिन्न दर्द निवारक दवा वितरण, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, घावों व चोटों पर मरहम पट्टी किया गया। संस्था सचिव अवधेश वर्मा, प्राचार्य डा. संजय कुशवाहा एवं [illegible] अध्यक्ष अनिल आनन्द ने बताया कि यह शिविर श्रद्धालुओं की [illegible] परिक्रमा तक चलेगा। [illegible] में पंकज यादव, अतुल सिंह सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जुलूस-ए-ताजिया

फैजाबाद (ब्यूरो)। तीन नवम्बर, नौ मोहर्रम की कदीम मुरातरी के ताजिये का जुलूस सुबह दस बजे जनाब शफात हुसैन साहब के अजाखाने से निकलकर इमामबाड़े जायेगा। मशहूर गजल गायिका बेगम अख्तर की माता मुश्तरी बेग ने इस ताजिये के जुलूस की शुरूआत की थी, जिसे बाद में अन्जुमने मासूमिया रा[illegible] उठाने लगी। अन्जुमने मासूमिया के साहिबे ब्याज [illegible] शर्मा जी जुलूस में साहिबे ब्याजी करेंगे। सभी से इस जुलूस में शिरकत की गुजारिश है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

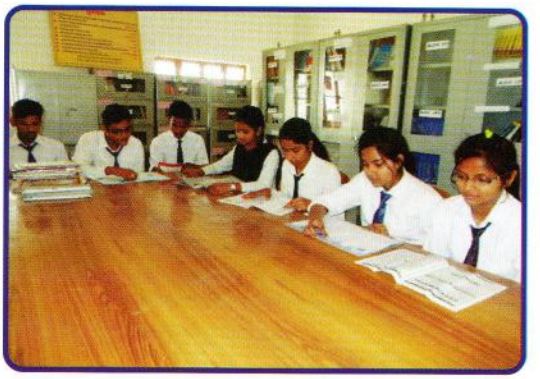

कम्प्यूटर लैब

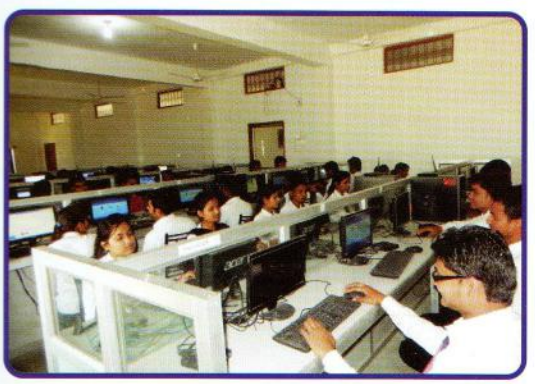

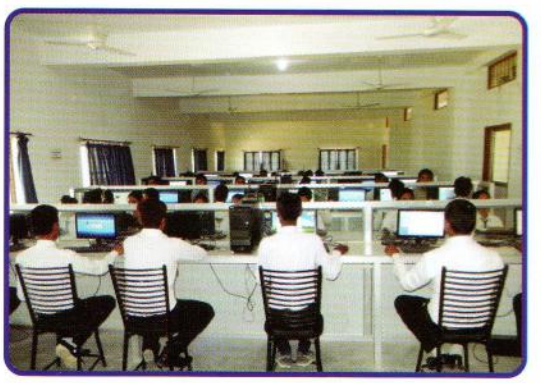

फार्मेसी लैब